mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-133 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
14 नवंबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

एशियाई तीरंदाजी...

@ पेज 7

भारत बनेगा एसपोर्ट पावरहाउसः

निर्यात संवर्धन मिशन 'मेड इन इंडिया' को वैश्विक स्तर पर और मजबूत करेगा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कैबिनेट द्वारा 'निर्यात संवर्धन मिशन' (ईपीएम) को मंजूरी दिए जाने की सराहना करते हुए कहा कि इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि 'मेड इन इंडिया' विश्व बाजार में और भी ज़्यादा प्रभावी ढंग से गूंजे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को ईपीएम को मंजूरी दे दी, जो केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना है, खासकर एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए। इस मिशन का उद्देश्य निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार लाना और एक परिणाम-आधारित एवं प्रभावी तंत्र बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह सुनिश्चित करना कि 'मेड इन इंडिया' विश्व बाजार में और भी मजबूत ढंग से गूंजे! केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को मंजूरी दे दी है, जो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करेगा, एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों की मदद करेगा। यह प्रमुख हितधारकों को एक परिणाम-आधारित और प्रभावी तंत्र बनाने के लिए एक साथ लाता है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 25,060 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ, ईपीएम निर्यात संवर्धन के लिए एक व्यापक, लचीला और डिजिटल रूप से संचालित ढाँचा प्रदान करेगा। यह कई खंडित योजनाओं से एक एकल, परिणाम-आधारित और अनुकूली तंत्र की ओर एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है जो वैश्विक व्यापार चुनौतियों और निर्यातकों की उभरती ज़रूरतों का तेज़ी से जवाब दे सकता है।

यह मिशन वाणिज्य विभाग, एमएसएमई मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और वित्तीय संस्थानों, निर्यात संवर्धन परिषदों, कमोडिटी बोर्डों, उद्योग संघों और राज्य सरकारों सहित अन्य प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक ढांचे पर आधारित है। इस पहल से निर्यात प्रदर्शन में वृद्धि और वैश्विक व्यापार में अग्रणी खिलाड़ी बनने के भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, यह मिशन दो एकीकृत उप-योजनाओं के माध्यम से संचालित होगा- निर्यात प्रोत्साहन ङ्क यह ब्याज अनुदान, निर्यात फैक्टरिंग, संपार्श्विक गारंटी, ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट कार्ड और नए बाजारों में विविधीकरण के लिए ऋण वृद्धि सहायता जैसे विभिन्न साधनों के माध्यम से एमएसएमई के लिए किफायती व्यापार वित्त तक पहुँच में सुधार पर केंद्रित है।

निर्यात दिशा - यह गैर-वित्तीय सक्षमताओं पर केंद्रित है जो बाजार की तैयारी और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती हैं, जिसमें निर्यात गुणवत्ता और अनुपालन सहायता, अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग, पैकेजिंग और व्यापार मेलों में भागीदारी, निर्यात भंडारण और रसद, अंतर्देशीय परिवहन प्रतिपूर्ति, और व्यापार खुफिया एवं क्षमता निर्माण पहलों के लिए सहायता शामिल है।

ईपीएम प्रमुख निर्यात सहायता योजनाओं जैसे ब्याज समकारी योजना (आईईएस) और बाजार पहुँच पहल (एमएआई) को समेकित करता है, और उन्हें समकालीन व्यापार आवश्यकताओं के अनुरूप बनाता है। यह मिशन भारतीय निर्यात को बाधित करने वाली संरचनात्मक चुनौतियों का सीधे समाधान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिनमें सीमित और महंगी व्यापार वित्त पहुँच, अंतर्राष्ट्रीय निर्यात मानकों के अनुपालन की उच्च लागत, अपर्याप्त निर्यात ब्रांडिंग और खंडित बाज़ार पहुँच, और आंतरिक व कम निर्यात-तीव्रता वाले क्षेत्रों में निर्यातकों के लिए रसद संबंधी असुविधाएँ शामिल हैं।

दिल्ली ब्लास्ट: आतंकी बाबरी का बदला लेना चाहते थे, देशभर में 32 कारों से धमाके की साजिश थी

दिल्ली कार लास्ट इसी का हिस्सा था

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में गुरुवार को बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे।

इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाड़ियां शामिल थीं। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें बरामद हो चुकी हैं।

10 नवंबर जिस आई20 कार में धमाका हुआ था, वह इसी सीरियल रिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, केंद्र सरकार ने दिल्ली कार ब्लास्ट को आतंकी हमला माना है। बुधवार को कैबिनेट मीटिंग में टेरर अटैक पर प्रस्ताव पारित किया गया।

पुलिस ने बुधवार रात हरियाणा के खंदावली गांव से एक शख्स को हिरासत में लिया। यहीं से इको स्पोर्ट्स कार बरामद हुई है। पुलिस ने आशंका जताई थी कि दिल्ली धमाके में शामिल आतंकियों के पास एक नहीं, बल्कि दो कारें थीं। बुधवार को इसकी तलाश के लिए दिल्ली के साथ पड़ोसी राज्यों यूपी और हरियाणा में अलर्ट जारी किया गया था। इसके बाद हरियाणा के खंदावली गांव में लावारिस गाड़ी की खबर सामने आई।

इस गाड़ी की जांच के लिए हस्त्र बॉम्ब स्क्वाड की टीम पहुंची है। गाड़ी अभी तक पूरी तरह से खोली नहीं गई है। सोर्स के अनुसार गाड़ी जहां मिली, वह उमर के ड्राइवर की बहन का घर था।

दिल्ली लास्ट में 3 खुलासे...

- **पहला : जनवरी में लाल किले की रेकी की थी-** दिल्ली को दहलाने की साजिश जनवरी से रची जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल डंप डेटा से पता चला कि फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी और धमाके में कथित रूप से मारे गए डॉ. उमर नबी ने जनवरी में कई बार लाल किले की रेकी की थी। दोनों ने वहां की सुरक्षा-और भीड़ का पैटर्न समझा था। पुलिस को शक है कि आतंकियों की प्लानिंग 26 जनवरी पर लाल किले पर हमले की थी, जो तब नाकाम हो गई।
- **दूसरा : दिल्ली में 6 दिसंबर को हमले का प्लान था** - नबी दिल्ली में 6 दिसंबर को हमला करना चाहता था, लेकिन मुजम्मिल की गिरफ्तारी से प्लान बिगड़ गया। यह बात 8 आरोपियों से पूछताछ में सामने आई हैं। इस अंतरराज्यीय मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद में था। गिरफ्तार आतंकियों में 6 डॉक्टर हैं। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। अलफलाह में पढ़ा रहा था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।
- **तीसरा : खाद की बोरी बता विस्फोटक जुटा रहा था गनी-** फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर रहा कश्मीरी डॉ. मुजम्मिल गनी खाद की बोरियां बताकर किराए के कमरे में विस्फोटक सामग्री जमा कर रहा था। 20 दिन पहले मुजम्मिल कमरे में कुछ बोरियां रखने आया था, तब पड़ोसियों ने उससे पूछा था कि इसमें क्या है? जवाब में मुजम्मिल ने कहा था कि ये खाद के कट्टे हैं। इन्हें कश्मीर ले जाना है। इस कमरे से 100 मीटर दूर एक मकान में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस ने फुटेज जब्त कर लिए हैं।

म.प्र-राजस्थान में शीतलहर, 17 शहरों में 10डिग्री से कम तापमान

दिल्ली-हरियाणा में हवा जहरीली, AQI 400 पार

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब सहित कई राज्यों में शीतलहर चल रही है। राजस्थान के 9 शहरों और मध्य प्रदेश के 8 शहरों में बुधवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। भोपाल में लगातार पांचवें दिन रात का पारा 8 डिग्री दर्ज किया गया।

हरियाणा के 7 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया है। नारनौल में सबसे कम तापमान 7.7 डिग्री रहा। दिल्ली में 10.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.1 डिग्री कम था। मौसम विभाग ने गुरुवार को सुबह हल्का कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है।

दिल्ली और हरियाणा में लोगों को सर्दी के साथ जहरीली हवा का भी सामना करना पड़ रहा है।

धीरेंद्र शास्त्री पदयात्रा में बेहोश हुए, सड़क पर लेटे,अचार-पराठा खाकर फिर यात्रा शुरू की, कहा- मुल्ला मत बनो

मथुरा, एजेंसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा का गुरुवार को सातवां दिन है। यात्रा अब यूपी में दाखिल हो चुकी है। मथुरा पहुंचने से पहले लगातार दूसरे दिन धीरेंद्र शास्त्री की तबीयत बिगड़ गई। यूपी-हरियाणा बॉर्डर पर उन्हें अचानक चक्कर आ गया। वे सड़क पर ही लेट गए। आसपास मौजूद भक्तों ने संभाला, गमछे से हवा की। थोड़ी देर लेटे रहने के बाद धीरेंद्र शास्त्री उठकर बैठे। अचार के साथ पराठा खाया। इससे पहले बुधवार को भी उन्हें बुखार आ गया था। डॉक्टरों ने उनका चेकअप कर दवा दी थी। थोड़ा आराम करने के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने यात्रा आगे बढ़ाई थी। इस बीच होडल में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट आतंकवादी हमला था। उन्होंने हमारी पदयात्रा को भी टारगेट कर हिंदुओं को डराने की कोशिश की। हम बता देते हैं कि मौलवी मदरसे में बच्चों को डॉ. कलाम बनाएं, डॉ. मुल्ला नहीं। नहीं तो पूरी कौम को दिक्कत होगी। बता दें कि मथुरा में 55 किलोमीटर की यात्रा चार दिन में पूरी की जाएगी। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

बिहार के 38 जिलों के 46 सेंटर पर काउंटिंग शुरू

सासाराम में काउंटिंग सेंटर में ट्रक की एंट्री पर बवाल

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आने में अब सिर्फ एक दिन बचा है। बिहार में पहली बार 67 प्रतिशत वोटिंग हुई है। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का मतदान प्रतिशत 9प्रतिशत ज्यादा है। बिहार के सभी 38 जिलों में स्ट्रॉन्ग रूम बनाए गए है। इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी। किसी विशेष स्थिति में रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश पर समय में परिवर्तन किया जाएगा। काउंटिंग की शुरुआत बैलेट पेपर और ETPBS यानी इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम से होगी। इसके आधे घंटे बाद EVM की गिनती शुरू होगी। फिर दोनों साथ चलता रहेगा। लेकिन,जब तक बैलेट पेपर की गिनती पूरी नहीं हो जाती तब तक ईवीएम की गिनती खत्म नहीं की जाएगी। सासाराम में बुधवार की रात काउंटिंग सेंटर में टीन के खाली बक्सों से भरा ट्रक घुसने के बाद जमकर हंगामा हुआ।

शराब घोटाला: चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति कुर्क

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम के बेटे के खिलाफ ईडी का एक्शन; 364 प्लॉट अटैच

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, अटैच की गई संपत्तियों में 364 आवासीय प्लॉट और कृषि भूमि के टुकड़े शामिल हैं।

जिनकी कीमत 59.96 करोड़ रुपए है। इसके अलावा 1.24 करोड़ रुपए की चल संपत्तियां बैंक बैलेंस और फिक्स्ड डिपॉजिट भी जब्त की गई हैं। शराब घोटाला मामले में अब तक कुल 276 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

शराब घोटाले में 2500 करोड़ की अवैध कमाई : ईडी ने यह जांच एसीबी ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। एफआईआर में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराएं लगाई गई थीं। जांच में पता चला कि इस घोटाले से राज्य सरकार के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2500 करोड़ रुपए की अवैध कमाई का खेल चला।

चैतन्य बघेल सिंडिकेट का प्रमुख था : ईडी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के सर्वोच्च स्तर पर था। उसकी स्थिति और राजनीतिक प्रभाव के कारण वही पूरे नेटवर्क का नियंत्रक और फैसले लेने वाला व्यक्ति था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने मुकुल रॉय की विधायकी रद्द की

दल-बदल कानून के तहत फैसला; 2021 में भाजपा से जीते फिर टीएमसी जॉइन की थी

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को दलबदल विरोधी कानून के तहत तृणमूल कांग्रेस (TMC) के नेता मुकुल रॉय की पश्चिम बंगाल विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी। जस्टिस देबांगसु बसाक की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक अंबिका रॉय की याचिकाओं पर फैसला दिया।

मुकुल रॉय मई 2021 में भाजपा की टिकट पर विधायक बने थे लेकिन 11 जून 2021 को रॉय और उनके बेटे सुभ्रांशु TMC में शामिल हो गए थे। उन्होंने सीएम ममता बनर्जी और उनके सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी की उपस्थिति में करीब 4 साल बाद घर वापसी की थी। इससे पहले 2017 में वे TMC छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद 18 जून 2021 को सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी को मुकुल की सदस्यता खत्म करने को लेकर अर्जी दी थी। उन्होंने दल बदल कानून के तहत सदन में रॉय की सदस्यता को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी।

दल बदल कानून या है?

1967 में हरियाणा के विधायक गया लाल ने एक दिन में तीन बार पार्टी बदली। उसके बाद से राजनीति में आया राम-गया राम की कहावत मशहूर हो गई। पद और पैसे के लालच में होने वाले दल-बदल को रोकने के लिए राजीव गांधी सरकार 1985 में दल-बदल कानून लेकर आई। इसमें कहा गया कि अगर कोई विधायक या सांसद अपनी मर्जी से पार्टी की सदस्यता छोड़कर दूसरी पार्टी जॉइन कर लेता है तो वो दल-बदल कानून के तहत सदन से उसकी सदस्यता जा सकती है। अगर कोई सदस्य सदन में किसी मुद्दे पर मतदान के समय अपनी पार्टी के व्हिप का पालन नहीं करता है, तब भी उसकी सदस्यता जा सकती है। अगर किसी दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्य किसी दूसरे दल में विलय के पक्ष में हों, तो यह दल बदल नहीं माना जाएगा। यह निर्णय लोकसभा अध्यक्ष या विधानसभा अध्यक्ष (या राज्यसभा के मामले में उपसभापति) लेते हैं। उनके फैसले को न्यायिक समीक्षा के लिए कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

कंगना रनोट पर राजद्रोह का केस चलेगा

आगरा,एजेंसी। आगरा में कंगना रनोट के खिलाफ किसानों के अपमान और राजद्रोह का केस चलेगा। स्पेशल जज MP-MLA लोकेश कुमार की कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। इसमें कोर्ट ने कंगना के खिलाफ दायर रिवीजन याचिका स्वीकार कर ली।

कोर्ट ने कहा- जिस निचली अदालत ने कंगना के केस को खारिज किया था, अब उसी कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पहले 10 नवंबर (सोमवार) को कोर्ट कंगना के वकीलों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कंगना के खिलाफ बीएनएस की धारा- 356 और 152 में केस चलेगा।

लद्दाख में चीन बॉर्डर से सटा न्योमा एयरबेस शुरूः

एयरफोर्स चीफ ने रनवे पर उतारा एयरक्राफ्ट; 13000 फीट ऊंचाई पर बना

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के न्योमा स्थित मुध एयरबेस में बुधवार से ऑपरेशन शुरू हो गया। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कल इसका उद्घाटन किया। उन्होंने खुद नोएडा के हिंडन एयरबेस से सी-130जे सुपर हरक्यूलिस (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) से उड़ान भरी और मुध-न्योमा एयरबेस में लैंडिंग की। उनके साथ पश्चिमी वायु कमान प्रमुख एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा भी मौजूद थे। न्योमा एयरबेस 13,710 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस में से एक है। यह चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर है। इस एडवांस एयरबेस में 2.7 किलोमीटर का रनवे है। यहां से लड़ाकू विमान, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर उड़ाने भर सकते हैं। इसे करीब 218 करोड़ की लागत से बनाया गया है। यहां से सैनिकों और हथियारों को तेजी से एक जगह से दूसरे जगह पहुंचाने में मदद मिलेगी। मुध-न्योमा नाम बेस के पास स्थित मुध गांव से लिया गया है।

रक्षा मंत्री ने 2023 में एयरबेस का शिलान्यास किया था : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सितंबर 2023 में न्योमा एयरबेस प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था। इसे बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) ने पूरा किया। प्रोजेक्ट के तहत एयरबेस में हैंगर, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल बिल्डिंग, पार्किंग एरिया बनाए गए हैं। न्योमा एयरबेस के चालू होने से लद्दाख में संवेदनशील क्षेत्र में भारतीय सेना की युद्ध क्षमता बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट अब इस एयरबेस का इस्तेमाल करेंगे।

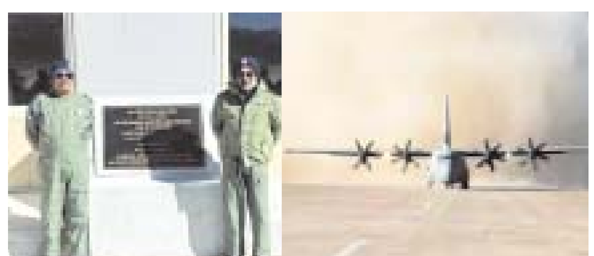

न्योमा लद्दाख में वायुसेना का चौथा एयरबेस

न्योमा लद्दाख में वायुसेना का चौथा बेस है। अन्य 3 एयरबेस लेह, कारगिल और थोईस में स्थित हैं। इनमें कारगिल एयरबेस लगभग 10,500 फीट पर स्थित है। इसके अलावा, भारतीय वायुसेना स्पेशल ऑपरेशन एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टरों के लिए उत्तरी लद्दाख में शिथि दौलत बेग ओल्डी में मिट्टी से बने रनवे का इस्तेमाल करती है। यह 16,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित विश्व का सबसे ऊंचा एयरफील्ड है। रक्षा मंत्रालय LAC से सटे सभी हवाई ठिकानों और एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड्स (ALG) का आधुनिकीकरण कर रहा है। इसी कड़ी में दौलत बेग ओल्डी ALG में भी आधारभूत ढांचा मजबूत किया जा रहा है।

1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद बंद था न्योमा एयरबेस

न्योमा एयरबेस पर पहले मिट्टी का रनवे था, जहां बारिश के दौरान कीचड़ हो जाता था। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद कई दशकों तक इसका इस्तेमाल नहीं हुआ। इसे सितंबर 2009 में दोबारा शुरू किया गया, जब वायुसेना के एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ने यहां पहली बार लैंडिंग की थी। सिंधु नदी के किनारे स्थित न्योमा, लेह से करीब 180 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यहां सर्दियों में तापमान माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, जिससे एयरबेस पर विशेष रखरखाव ढांचे की जरूरत पड़ती है।

550 साल पुरानी गुमटी शेख अली फिर बनेगी राजधानी की शान, 5 करोड़ रुपये से होगा कायाकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली परियोजना में गुमटी शेख अली मकबरे के परिसर के नवीनीकरण, मरम्मत और सौंदर्यीकरण के लिए 4.31 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। इसमें सिविल और इलेक्ट्रिकल दोनों काम होंगे। निर्माण के काम पर 3.02 करोड़ और बिजली व सजावट पर 1.28 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

लोधी काल का करीब 550 साल पुराना गुमटी शेख अली मकबरा पर्यटकों का नया डेस्टिनेशन पॉइंट बनेगा। दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम लिमिटेड (डीटीटीडीसी) इस पुराने स्मारक और उसके आसपास के क्षेत्र का कायाकल्प कर रहा है। करीब 5 करोड़ रुपये की दो बड़ी परियोजनाओं से इसकी रंगत बदलेगी। इसमें धरोहर की मरम्मत और आधुनिक रूप से सौंदर्यीकरण किया जाएगा। आसपास के पूरे परिसर को हरियाली और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

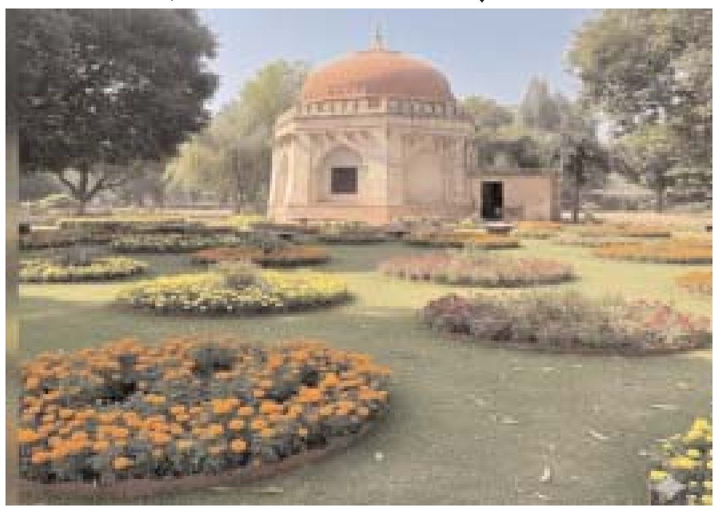

पहली परियोजना में गुमटी शेख अली मकबरे के परिसर के नवीनीकरण, मरम्मत और सौंदर्यीकरण के लिए 4.31 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। इसमें सिविल और इलेक्ट्रिकल दोनों काम होंगे। निर्माण के काम पर 3.02 करोड़ और बिजली व सजावट पर 1.28 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ये काम दो महीने में पूरे होंगे।

14 नवंबर को इसके टेंडर भरे जाएंगे। दूसरी परियोजना में परिसर की हरियाली, लैंडस्केपिंग होगी। इसके लिए 69.99 लाख रुपये के टेंडर जारी हुए हैं। ये काम भी दो महीने में हो जाएगा। निर्माण करने वाली एजेंसी ही दो साल तक इसका रखरखाव करेगी। पौधों की सिंचाई, खाद पानी, खरपतवार और सूखे पौधों की जगह नए पौधे लगेंगे। दोनों काम डीटीटीडीसी के इंजीनियरिंग और हॉर्टिकल्चर विंग की देखरेख में पूरे होंगे। डिफेंस कॉलोनी का ये इलाका फिर से ऐतिहासिक महत्व हासिल करेगा। साथ ही, अपनी सुंदरता और हरियाली के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होगा काम: यह क्षेत्र पुरातत्व विभाग का संरक्षित धरोहर स्थल है। इसके स्वरूप को बदलने का पूरा काम सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और निगरानी में चलेगा। री-डेवलपमेंट करने वाली एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि काम के दौरान स्मारक की मूल संरचना को किसी तरह की क्षति न पहुंचे। सभी काम पुरातत्व विभाग की अनुमति से होंगे।

विरासत पर्यटन योजना का बनेगा हिस्सा: डीटीटीडीसी का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद यह धरोहर दिल्ली की विरासत पर्यटन योजना का हिस्सा बनेगी। पर्यटकों के लिए नया आकर्षण स्थल होगी। इससे न सिर्फ क्षेत्र का सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि राजधानी के पर्यावरण को भी एक नया जीवन मिलेगा।

लोधी काल की अष्टकोणीय प्राचीन इमारत: गुमटी शेख अली लोधी काल (1451-1526) की अष्टकोणीय एक प्राचीन इमारत है जिसमें धनुषाकार गुंबद वाली छत है। इसके आठों किनारों पर नुकीले मेहराब हैं। ये केवल एक तरफ खुला है। बाकी हिस्सा ईंटों से बंद है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इसे एक संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है।

बलात्कार मामले में समीर मोदी के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने दाखिल किया आरोपपत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने दुष्कर्म केस के आरोपित और ललित मोदी के भाई समीर मोदी के खिलाफ साकेत कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में समीर मोदी के खिलाफ दुष्कर्म, धमकाने और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। साकेत कोर्ट ने 25 सितंबर को समीर मोदी को जमानत दी थी। साकेत कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज विपिन खरब ने समीर मोदी को जमानत देने का आदेश दिया था। समीर मोदी को 18 सितंबर को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था।

समीर मोदी के खिलाफ 2019 में शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाते हुए दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कालोनी थाने में एफआईआर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता महिला ने 10 सितंबर को शिकायत की थी जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद समीर मोदी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। शिकायत के मुताबिक रेप करने के बाद समीर मोदी ने शिकायतकर्ता महिला की ब्लैकमेलिंग की और उसे धमकियां दी। महिला के मुताबिक समीर मोदी ने रेप की शिकायत करने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की भी धमकी दी।

डीडीयू अस्पताल में हंगामा, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ हाथापाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों और तीमारदारों के बीच हाथापाई हो गई। इसमें सुरक्षाकर्मी और डॉक्टर घायल हो गए हैं। इस संबंध में सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो वायरल है। वीडियो में अस्पताल परिसर में शीशे और बेड टूटे नजर आ रहे हैं। एक शख्स और कुछ लोग आपस में धक्कामुक्की करते भी दिख रहे हैं। डॉक्टरों की फेमा एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. संदीप डागर ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल उपचार के लिए अस्पताल आया था। मरीज शराब के नशे में था और उसके साथ तीमारदार भी थे। उपचार के बाद मरीज की एमएलसी तैयार की जा रही थी। इसका वह विरोध कर रहा था। इस बीच स्वास्थ्यकर्मियों और तीमारदारों के बीच कहासुनी बढ़ गई। मामला इतना बढ़ा कि आपस में हाथापाई शुरू हो गई। इसमें सुरक्षाकर्मियों के शरीर पर खरोंच और एक महिला सुरक्षाकर्मी के बाएं हाथ पर दांत से काटे जाने के निशान हैं। उसके बाद एक वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर पर भी हमला किया गया।

दुष्कर्म मामले में वकील को मिली राहत : दिल्ली हाईकोर्ट ने सरेंडर की तारीख बढ़ाई, अब 17 नवंबर तक मोहलत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक महिला वकील द्वारा दर्ज कराए गए दुष्कर्म मामले में आरोपी वकील को सरेंडर करने के लिए दी गई। समयसीमा 17 नवंबर तक बढ़ा दी।न्यायमूर्ति अमित महाजन ने सात नवंबर को आरोपी की जमानत रद्द करते हुए उसे एक सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि आरोपी किसी भी हालत में महिला वकील से संपर्क न करे, अन्यथा दिल्ली पुलिस उस पर उचित कार्रवाई कर सकती है।

सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने दलील दी कि जमानत रद्द करने के आदेश के खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है, जिसे सोमवार को सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है। इसलिए सरेंडर की समयसीमा एक सप्ताह और बढ़ाई जाए। पिछले सप्ताह हाईकोर्ट ने यह कहते हुए आरोपी की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी कि उसने कानून की प्रक्रिया में दखल देने का प्रयास किया है। साथ ही अदालत ने दो न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ भी प्रशासनिक जांच के आदेश दिए थे, जिन पर महिला वकील को बयान वापस लेने के लिए दबाव डालने का आरोप है।

अदालत ने कहा कि इस तरह के मामले में न्यायिक अधिकारियों की भूमिका सामने आना चौंकाने वाला और गंभीर है। अदालत ने टिप्पणी की कि भले ही यह आरोप जांच के अधीन हों, लेकिन ये न्याय

व्यवस्था के प्रति घोर असम्मान को दर्शाते हैं। शिकायत में 27 वर्षीय महिला वकील ने कहा कि वह आरोपी से एक मित्र के माध्यम से मिली थी और एक पार्टी के दौरान उसके घर गई थी, जहां उसके साथ दुष्कर्म हुआ। आरोपी ने शादी का झांसा दिया क्योंकि वह विधुर था।

महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी भावनात्मक दबाव बनाकर संबंध बनाता रहा और मई में वह गर्भवती हो गई। उसने यह भी दावा किया कि आरोपी के कुछ न्यायिक अधिकारियों से घनिष्ठ संबंध हैं और उन्होंने एफआईआर दर्ज होने से पहले और बाद में भी उसे प्रभावित करने की कोशिश की। महिला के वकील के अनुसार, एफआईआर के बाद एक न्यायिक अधिकारी ने उसे मेडिकल जांच न कराने की सलाह दी और समझौते के लिए 30 लाख रुपये की पेशकश की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उसी अधिकारी ने महिला को बयान नरम करने और आरोपी से आगे और मुआवजा लेने के लिए दबाव डाला।

एमसीडी उपचुनाव : 12 वार्डों के उपचुनाव में उतरे 80 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द, प्रमुख दलों के 28 डमी प्रत्याशी

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने एमसीडी के 12 वार्डों के उपचुनाव के लिए दाखिल किए गए नामांकन पत्रों की बुधवार को जांच की। आयोग ने जांच के दौरान 80 नामांकन पत्र रद्द कर दिए। इनमें भाजपा, आप और कांग्रेस के 28 डमी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र शामिल हैं। इसके अलावा तीनों दलों के कुछ उम्मीदवारों ने एक से अधिक नामांकन दाखिल किए थे। इनमें से केवल एक को ही वैध माना गया है। वहीं, पांच निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द हुए हैं उनमें चांदनी महल वार्ड से चार और नारायणा वार्ड से एक निर्दलीय उम्मीदवार का पर्चा रद्द किया गया है। नारायणा वार्ड में भाजपा के बागी नेता का नामांकन पत्र रद्द हुआ। एमसीडी के 12 वार्डों के उपचुनाव के लिए तीनों दलों के उम्मीदवारों के 28 डमी उम्मीदवारों समेत 86 उम्मीदवारों ने 133 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इस तरह माना जा रहा था कि नामांकन पत्रों की जांच के बाद 58 उम्मीदवार मैदान में रह जाएंगे लेकिन पांच निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन पत्र भी रद्द हो गए और अब चुनाव मैदान में भाजपा, आप व कांग्रेस के 36 उम्मीदवारों के अलावा ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लॉक और

सीपीआई के एक-एक उम्मीदवार समेत 15 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। उम्मीदवार 15 नवंबर तक नाम वापस ले सकते हैं। इस तरह उम्मीदवारों की संख्या के मामले में अंतिम तस्वीर 15 नवंबर को ही स्पष्ट होगी। नारायणा वार्ड से भाजपा से टिकट मांग रहे पूर्व पार्षद प्रमोद तंवर का नामांकन रद्द हो गया है। वह वर्ष 2012 में भी पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीत गए थे लेकिन इस बार इतिहास दोहराने में नाकाम रह गए। हालांकि, उनका नामांकन रद्द होने के बावजूद इस वार्ड में भाजपा की राह आसान नहीं है।

मानसिक आघात से जूझ रहे हैं दिल्ली बम धमाके के पीड़ित, घायलों की कराई जा रही है काउंसलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। लालकिला हादसे में घायल मरीजों का लोकनायक अस्पताल में उपचार जारी है। अस्पताल में घायलों की रात बेचैनी में कट रही है। भविष्य की चिंता सता रही है। खासतौर पर जिन घायलों को चेहरे पर चोट लगी है। ऐसे मरीज मानसिक ट्रॉमा से जूझ रहे है उसके लिए घायलों की काउंसलिंग भी की जा रही है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट हादसे के बाद करीब 27 घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया था। इसमें तीन मरीज अपनी मर्जी से लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइस (लामा) लेकर चले गए। फिलहाल अस्पताल में उपचार के लिए 24 मरीज भर्ती है। इसमें तीन मरीज आईसीयू में भर्ती है। इसमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि बाकी मरीजों को अलग-अलग तरह की चोट लगी है। घायलों के उपचार में न्यूरोलॉजी, सर्जरी, हड्डी रोग, बर्न एंड प्लास्टिक सहित कई दूसरे विभाग के डॉक्टर जुटे है। मरीजों की काउंसलिंग कर रहे है जिससे वह हादसे के ट्रामा से बाहर निकल सकें। हालांकि मानसिक ट्रामा से बाहर निकलना अभी आसान नहीं है। इस हादसे से बाहर निकलने में काफी लंबा समय लगेगा। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर लाशें और क्षत-विक्षत शव देखकर घायलों को मानसिक आघात पहुंचा है। कई बार उपचार के दौरान खुद को बेचैनी महसूस होती है।

घायलों के तीमारदारों के लिए किए इंतजाम: अधिकारी ने बताया कि घायलों के तीमारदारों के लिए अस्पताल में शेल्टर और खाने-पीने की व्यवस्था की गई। जिससे उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न हो। अस्पताल मरीजों को बेहतर उपचार देने में जुटा है। मरीजों को भी उनकी जरूरत हर उचित सामान उपलब्ध कराया जा रहा है।

आम मरीजों को दो और पांच नंबर गेट से प्रवेश: लोकनायक अस्पताल में वीवीआईपी आवाजाही होने के चलते अभी फिलहाल आम मरीजों को मुश्किलों को सामना करना पड़ रहा है। गेट नंबर चार से एंबुलेंस में आने वाले मरीजों को प्रवेश दिया जा रहा है। जबकि बाकी दूसरे मरीजों को दो और पांच नंबर गेट से प्रवेश दिया जा रहा है। इसको लेकर मरीजों और उनके तीमारदारों में गुस्सा भी है।

अमेरिका में जैविक सामग्री तस्करी मामले में चीनी वैज्ञानिक दोषी, सजा पूरी होने के बाद होगा निर्वासन

डेट्रायट, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में जैविक सामग्री की तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक चीनी वैज्ञानिक ने बुधवार को अदालत में अपना अपराध कबूल कर लिया। हालांकि अदालत ने उसे पहले से जेल में बिताए पांच महीने की सजा को ही अंतिम माना और अब उसे रिहा कर चीन वापस भेजा जाएगा। 33 वर्षीय यूनकिंग जियान, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक लैब में अस्थायी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही थीं, को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने प्रेमी जुनयोंग लियू के साथ मिलकर अमेरिका में एक खतरनाक फफूंदी (फंगस) लाने की साजिश रची थी।

क्या है फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम: यह फफूंदी फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम नाम के एक रोगजनक है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसी फसलों पर हमला कर सकती है और उन्हें बर्बाद कर सकती है। यह फफूंदी अमेरिका के कुछ इलाकों में मौसम और फसल की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए पहले से मौजूद होती है, लेकिन इसे विदेश से बिना सरकारी अनुमति लाना कानूनन अपराध है।

गंभीर नुकसान की आशंका थी- सरकारी वकील : वहीं अमेरिकी सरकारी वकील माइकल मार्टिन ने अदालत में कहा कि इस कृत्य से गंभीर नुकसान की आशंका थी, हालांकि उन्होंने विस्तार से यह नहीं बताया कि नुकसान कैसे हो सकता था। उन्होंने कहा, मेरे पास यह सबूत नहीं है कि उसने बुरी नीयत से यह किया, लेकिन यह भी सबूत नहीं है कि उसने मानवता के भले के लिए किया।

अदालत में चीनी वैज्ञानिक ने कबूला अपराध : मामले की संघीय न्यायाधीश सुसान डेकलर्क ने इस मामले को बहुत अजीब बताया और कहा कि आरोपी एक बेहद योग्य शोधकर्ता हैं। इस मामले में सरकारी वकील ने जहां दो साल की सजा की मांग की थी, वहीं जज ने केवल पांच महीने की सजा दी, जो जियान पहले ही जेल में काट चुकी थीं।

तुर्किये ने लालकिला विस्फोट कांड में उसका हाथ होने की खबरों का खंडन किया

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये ने भारत की राजधानी दिल्ली में लाल किले के समीप सोमवार को हुए विस्फोट को लेकर भारतीय मीडिया में छपी उन रिपोर्टों को निराधार बताते हुए उनका खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि भारत के खिलाफ हमलों के लिए तुर्किए आतंकवादियों को सहायता प्रदान कर रहा है। तुर्किये सरकार के संचार विभाग ने बुधवार रात जारी एक बयान में कहा कि कुछ भारतीय मीडिया संस्थानों में यह दावा किया जा रहा है कि तुर्किये भारत में आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा है और आतंकवादी समूहों को सैन्य, राजनयिक और वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से एक दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। बयान में कहा गया है कि तुर्किये सभी आतंकवादी कार्रवाइयों का दृढ़ता से खंडन करता है, चाहे वे कहीं भी या किसी के द्वारा भी किए गए हों। वह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक अग्रणी देश के रूप में खड़ा है। इस संदर्भ में, तुर्किये संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति में सक्रिय रूप से योगदान देता है और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की आतंकवाद-रोधी नीतियों को आकार देने में प्रभावी भूमिका निभाता है। तुर्किए ने कहा, यह दावा कि तुर्किये भारत या किसी अन्य देश को निशाना बनाकर कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल है, पूरी तरह से भ्रामक है और इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। तुर्किये को निशाना बनाकर की गई ऐसी निराधार और भ्रामक रिपोर्टें अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता में हमारे देश के योगदान को कमज़ोर करने का प्रयास हैं।

ग्रेनो : पैसों के विवाद में दर्जी ने कैंची से की थी सफाईकर्मी की हत्या, CCTV फुटेज और सर्विलांस से खुला राज

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में मिली एक युवक की लाश के मामले में पुलिस ने 10 दिन में हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस और सीआरटी टीम ने मिलकर तकनीकी व मैनुअल इनपुट्स की मदद से आरोपी दर्जी को गिरफ्तार किया है। हत्या का कारण मात्र सात हजार रुपये के विवाद से उपजा झगड़ा था। आरोपी पेशे से दर्जी है। जिसने गुस्से में अपने साथी सफाईकर्मी की कैंची से गला रेतकर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 3 नवंबर को थाना सूरजपुर क्षेत्र में गांव पाली जाने वाली सड़क के पास एक अज्ञात शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मौके पर शव के पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की थी। बाद में मृतक की पहचान अंकित (25) निवासी गांव श्यौराजपुर के रूप में हुई थी। मृतक के भाई की तहरीर पर थाना सूरजपुर में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले के अनावरण के लिए कई टीमों का गठन किया।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गठित टीमों ने इलाके के तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से सुराग जुटाए। साथ ही मैनुअल इंटेलिजेंस की मदद से संदिग्धों की जानकारी ली गई। लगातार प्रयासों के बाद जांच टीम को घटनास्थल के पास से मृतक की एक चप्पल मिली। जिससे यह संकेत मिला कि मृतक की हत्या अन्य स्थान पर नहीं बल्कि उसी क्षेत्र में हुई थी। इन तकनीकी व भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने शक की सुई मृतक के परिचितों पर केंद्रित की। अंततः गुरुवार को पुलिस ने आरोपी ओमपाल निवासी गांव पोखरपुर थाना डिबाई बुलंदशहर को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्तमान में संतोषनगर कॉलोनी सूरजपुर में रहता है।

अमेरिका ने ईरान की मिसाइलों, ड्रोनों के उत्पादन में मददगार लोगों और संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बुधवार को ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन उत्पादन को समर्थन देने वाले भारत सहित कई देशों के लोगों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के यहां जारी एक बयान में इस आशय की जानकारी दी गई। ऐसा ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ दबाव बनाने के लिए किया गया है। बयान के मुताबिक प्रतिबंधों में ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये, चीन, हांगकांग, भारत, जर्मनी और यूक्रेन में स्थित कुल 32 व्यक्तियों और संस्थाओं को निशाना बनाया गया है, जो कई तरह के बिक्री और खरीद नेटवर्क संचालित करते हैं। मंत्रालय ने कहा, ये नेटवर्क पश्चिम एशिया में अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के साथ ही लाल सागर में वाणिज्यिक नौवहन के लिए खतरा पैदा करते हैं।

शेख हसीना के खिलाफ मुकदमे में 17 नवंबर को आएगा फैसला, हिंसा का डर; हाई अलर्ट पर बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की विशेष अदालत अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगी। फैसले को देखते हुए बांग्लादेश में तनाव का माहौल है। गुरुवार को शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बंद का एलान किया है। अवामी लीग के बंद के चलते राजधानी ढाका में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है और लॉकडाउन जैसे हालात हैं। बांग्लादेश हाई अलर्ट पर है। अभियोजक टीम के एक सदस्य ने बताया कि अपराध न्याधिकरण तय शेड्यूल के मुताबिक ही अपना फैसला सुनाएगा।

ढाका में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, सेना सड़कों पर उतरी : अवामी लीग के बंद और शेख हसीना के खिलाफ फैसले को देखते हुए सरकार ने ढाका में सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और दंगा रोधी पुलिस के जवानों की तैनाती की है। ढाका की सड़कें खाली दिखाई दे रही हैं, बसों की आवाजाही भी सीमित है। कई निजी संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने अपनी कक्षाएं ऑनलाइन चलाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ढाका, मुंशीगंज, सेंट्रल तंगैल और दक्षिण पश्चिमी गोपालगंज इलाके में अज्ञात लोगों ने पांच खाली बसों को आग लगा दी।

अभियोजन पक्ष ने शेख हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की : शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में 17 नवंबर को फैसला सुनाया जाएगा। अभियोजन पक्ष ने शेख हसीना के लिए मौत की सजा की मांग की है। शेख हसीना के साथ ही इस मामले में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख अब्दुल्ला अल मनुन भी आरोपी हैं। इन पर आरोप है कि इन लोगों ने बीते साल छात्र आंदोलन को कुचलने की कोशिश की। इसी छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था और बांग्लादेश छोड़कर भारत आना पड़ा था। शेख हसीना ने अपने ऊपर लगे आरोपों को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उनके खिलाफ यह पूरा केस राजनीतिक साजिश है।

भावान्तर भुगतान - किसानों को उनकी उपज का मिल रहा सही मूल्य

मीडिया ऑडिटर, सीधी(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को देवास में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता कर भावान्तर योजना के तहत प्रदेश के 1 लाख 33 हजार सोयाबीन उत्पादक किसानों के खातों में रूपये 233 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अन्नदाताओं की मेहनत से मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना है। किसानों को उचित मूल्य और सम्मान दिलाने हेतु शुरू की गई भावान्तर योजना उनकी समृद्धि और सम्मान का

प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर देश की रक्षा करने वाले जवान और खेतों में अन्न उपजाने वाले किसान, दोनों ही हमारे लिए सम्मान और गर्व के प्रतीक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने तथा गौपालन को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी सीधी के प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भावान्तर योजना से किसानों को उनकी उपज का वास्तविक मूल्य सुनिश्चित हुआ है, जिससे उन्हें बाजार में होने वाले भाव के उतार–चढ़ाव से सुरक्षा मिली है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। फसल बीमा, सिंचाई सुविधा, प्राकृतिक खेती, पशुपालन और गौसंवर्धन जैसी योजनाओं से किसानों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ और आधुनिक तकनीक अपनाकर कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करें। कार्यक्रम में सचिव कृषि उपज मंडी समिति सीधी रावेंद्र अग्निहोत्री सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सड़क-नाली निर्माण की मांग पर ग्रामीणों ने किया चक्का जाम,जैतपुर-शहडोल मार्ग अवरुद्ध, अधिकारियों पर अनदेखी का आरोप

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर में सड़क और नाली निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया। यह घटना जैतपुर के रसमोहनी इलाके में हुई, जहां ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर जैतपुर–शहडोल मार्ग अवरुद्ध कर दिया बाद में अधिकारियों की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने आवागमन बहाल कर दिया। ग्रामीण पिछले कई सालों से रसमोहनी के सगरा टोला से कोलान मोहल्ला तक लगभग दो किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क और नाली निर्माण की मांग कर रहे हैं। नाली न होने के कारण मार्ग पर अक्सर पानी भरा रहता है, जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने पूर्व में कई बार अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्या से अवगत कराया था। हाल ही में, उन्होंने जैतपुर एसडीएम को भी ज्ञापन देकर आंदोलन की चेतावनी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने सड़क पर उतरने का फैसला किया।

ग्रामीण रूप नारायण ने बताया कि बस्ती के अंदर की यह दो किलोमीटर कच्ची सड़क मुख्यमंत्री से लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों तक के संज्ञान में लाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सड़क पर पानी भरने और नाली न होने के कारण यह आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आंदोलन की सूचना चार दिन पहले ही एसडीएम जैतपुर को दे दी गई थी। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने जानकारी दी कि ग्रामीणों ने सड़क और नाली निर्माण की मांग को लेकर जैतपुर–शहडोल मार्ग पर जाम लगाया है। उन्होंने बताया कि एसडीएम के साथ वे मौके पर पहुंचे हैं और ग्रामीणों से बातचीत की जा रही है। वाहनों के आवागमन के लिए मार्ग को फिलहाल डायवर्ट कर दिया गया है।

दिव्यांगजनों के लिए चकडौर में मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित - 06 पंजीकरण 04 प्रमाणपत्र जारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं एडिशनल सीईओ जिला पंचायत धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में दिव्यांगजनों की पहचान एवं प्रमाणपत्र जारी करने हेतु चल रहे अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत भवन चकडौर में मेडिकल बोर्ड शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 06 दिव्यांगजनों का पंजीकरण किया गया तथा चिकित्सीय परीक्षण उपरांत 04 लाभार्थियों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र यूडीआईडी कार्ड जारी किए गए।

शिविर में मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. रवि पटेल मानसिक रोग विशेषज्ञ, डॉ. के वी प्रजापति अस्थि रोग विशेषज्ञ और डॉ. हिमेश पाठक नाक कान एवं गला रोग विशेषज्ञ द्वारा परीक्षण कार्य संपादित किया गया। साथ ही जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी की टीम के दीपक त्रिपाठी सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट एवं शिवांसु शुक्ला ट्रांसडिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक द्वारा स्क्रीनिंग दस्तावेज़ सत्यापन और परामर्श कार्य किया गया।

यह अभियान सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिलेभर में सतत रूप से संचालित किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र दिव्यांगजन शासन की योजनाओं से वंचित न रहे और उन्हें आवश्यक सुविधाओं का समय पर लाभ प्राप्त हो सके।

अब कोदो-कुटकी की समर्थन मूल्य पर होगी खरीदी - किसानों को मिलेगा 1000 रूपये प्रति क्विंटल बोनस

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। राज्य शासन द्वारा पहली बार कोदो और कुटकी फसलों का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किए जाने की नीति लागू की गई है। यह निर्णय कोदो–कुटकी उत्पादक किसानों के हित में लिया गया एक ऐतिहासिक कदम है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए शासन ने पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 नवंबर 2025 कर दी है। अत: जिले के सभी किसान निर्धारित समय–सीमा के भीतर अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि उन्हें शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त हो सके।

उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2500 रूपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3500 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त किसानों को दोनों फसलों पर 1000 रूपये प्रति क्विंटल बोनस भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना कोदो–कुटकी उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। किसानों की सुविधा के लिए जिले के विभिन्न विकासखण्डों में पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए हैं। विकासखण्ड सीधी में गांधीग्राम एवं चौफाल कोठार, रामपुर नैकिन में कुडिया, बघवार एवं कंधवार, मझौली में ताला एवं मझौली, सिहावल में अमिलिया एवं बघोर, तथा कुसमी में टमसार पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। इन्हीं समितियों के माध्यम से किसानों से उपार्जन किया जाएगा। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे 15 नवंबर तक अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से कराएं, ताकि उन्हें कोदो–कुटकी की खरीदी पर समर्थन मूल्य और बोनस दोनों का लाभ प्राप्त हो सके।

बाइक सवार को बचाने में बस पलटी,तीन महिलाओं सहित चार घायल; सलैया ग्राम के पास हुआ हादसा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। बस हादसे में तीन महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। हादसा उसवक्त हुआ जब अमिलिया से सीधी जा रही द्विवेदी ट्रेवल्स की बस सलैया ग्राम पंचायत के पास बाइक सवार को बचाने के चक्कर में पलट गई। थाना प्रभारी कमर्जी विवेक द्विवेदी ने बताया कि हादसा आज सुबह करीब 10 बजे हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला चिकित्सालय सीधी भेजा गया। फिलहाल, सभी घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घायलों में सूरजकली साकेत (35 वर्ष), आफताब अहमद (25 वर्ष), खुशबू कारपेंटर (18 वर्ष) और मनीषा पटेल (17 वर्ष) शामिल हैं। बाइक सवार आफताब अहमद, जो एक निजी बैंक में कार्यरत हैं, को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और बाइक दोनों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी के अनुसार, यह हादसा मुख्य रूप से सिंगल रोड और तेज रफ्तार के कारण हुआ। बस का नंबर एमपी 53 पी 0636 है, जो यात्रियों को लेकर सीधी की ओर जा रही थी।

देवेंद्र सिंह दादू बने प्रदेश युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष, कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीं शुभकामनाएं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह दादू को मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह घोषणा बुधवार देर रात युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की ओर से जारी आदेश के माध्यम से की गई। इस नियुक्ति की खबर मिलते ही सीधी जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर और पटाखे फोड़कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। जिले के कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया) सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने दादू को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दादू के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा।

युवा कांग्रेस ने कांग्रेस अध्यक्ष को विश्वास व्यक्त किया: जारी आदेश के अनुसार, यश घनघोरिया को प्रदेश युवक कांग्रेस का अध्यक्ष और अभिषेक परमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देवेंद्र सिंह दादू को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश में कहा गया है कि ये सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपनी पूरी ऊर्जा और समय से संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाने में योगदान देंगे। युवा कांग्रेस ने विश्वास व्यक्त किया है कि दादू जैसे समर्पित और जमीनी नेता की सक्रियता से संगठन को नई दिशा मिलेगी। देवेंद्र सिंह दादू लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहे हैं और युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही जारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। टिकरी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के संबंध में प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं खनिज अधिकारी सीधी कपिलमुनि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक देवेंद्र महोबे एवं थाना प्रभारी मड़वास भूपेश वैध के संयुक्त दल द्वारा दिनांक 05 नवम्बर 2025 को ग्राम टिकरी, तहसील मड़वास का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम टिकरी में लगभग 90 घन मीटर रेत का अवैध भंडारण पाया गया। दल द्वारा नियमानुसार रेत को जब्त कर अवैध भंडारण का प्रकरण दर्ज किया गया तथा आगामी आदेश तक खुर्द–बुर्द न करने की शर्त पर ग्राम पंचायत की सुपुर्दगी में दिया गया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही प्रचलन में है। जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग का संयुक्त दल सतत निगरानी एवं जांच कार्यवाही कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर माह में 12 तथा नवंबर माह में अब तक 07 प्रकरण दर्ज कर कुल 18 वाहन जब्त किए गए हैं। दर्ज प्रकरणों में अनाधिकृत उत्खनन/परिवहन/भंडारणकर्ताओं के विरुद्ध रूपये 11,76,620 (ग्यारह लाख छिहत्तर हजार छह सौ बीस) की राशि दंड स्वरूप प्रस्तावित की गई है।

इनमें से 14 प्रकरणों में कलेक्टर सोमवंशी द्वारा रूपये 6,97,776 (छह लाख सत्तानवे हजार सात सौ छिहत्तर) की शास्ति अधिरोपित कर शासकीय कोष में जमा कराई गई है। जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त और सतत कार्यवाही जारी है।

विधिक जागरूकता शिविर में ग्रामीणों को मिली कानूनी जानकारीं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार और प्रधान जिला न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में 'न्यायोत्सव' विधिक सेवा सप्ताह' मनाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सीधी की तहसील विधिक सेवा समिति रामपुर नैकिन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों और श्रमिक समुदायों के लिए एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह सप्ताह 09 से 14 नवंबर 2025 तक चलेगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विधिक सेवाओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना था। इसके माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें।

स्कूल में छात्राएं झाड़ू लगाती दिखीं,प्राचार्य बोले- स्टूडेंट्स से किसी ने सफाई करने नहीं कहा; डीइओ ने जांच के निर्देश दिए

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। मलगो स्थित सरकारी हाई स्कूल का एक वीडियो गुरुवार को सामने आया है। इसमें दो छात्राएं स्कूल परिसर में झाड़ू लगाती दिख रही हैं। इस दौरान अन्य छात्र भी स्कूल में मौजूद थे। यह वीडियो दो दिन पुराना बताया जा रहा है। स्कूल प्राचार्य मोहम्मद गयासुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि 'बच्चे खुद से ही झाड़ू लगा रहे थे, उन्हें किसी ने ऐसा करने के लिए नहीं कहा था।' उन्होंने यह भी कहा कि वे स्कूल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।

डीईओ बोले- जांच कराकर कार्रवाई करेंगे: जिला शिक्षा अधिकारी एस. बी. सिंह ने कहा कि बच्चे स्कूल पढ़ने आते हैं, साफ–सफाई का कार्य उनकी जिम्मेदारी नहीं है। यह प्राचार्य की जिम्मेदारी होती है। मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

पी.व्ही.टी.जी. ग्रामों में आदिकर्मयोगी जनसुनवाई सम्पन्न

बिरसा मुंडा जयंती यात्रा की तैयारियों का अधिकारियों ने लिया जायजा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में दिनांक 13 नवम्बर 2025 को पी.व्ही.टी.जी. (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) के तहत चयनित सभी ग्रामों में आदिकर्मयोगी जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी मझौली धनंजय मिश्रा एवं एस.डी.ओ. आर.ई.एस. सरिता सिंह ग्राम पंचायत ठोगा में उपस्थित रहे और आदिकर्मयोगी जनसुनवाई कार्यक्रम में सहभागिता की। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई तथा संबंधित विभागों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही अधिकारियों ने आगामी 14 नवम्बर 2025 को भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के अवसर पर विधायक कुंवर सिंह टेकाम की उपस्थिति में ठोगा से आरंभ होने वाली यात्रा की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। यह यात्रा ठोगा, जमुआ नं. 2, नेबूहा, खमचौरा, पॉड, चमराडोल, छुही, देवई, खडौरा होते हुए ग्राम पंचायत मड़वास में संपन्न होगी। अधिकारियों ने यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं एवं पंचायती तैयारियों का जायजा लिया तथा आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों एवं हाई स्कूल जमुआ नं. 2 का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए जहाँ सुधार की आवश्यकता थी, वहाँ आवश्यक निर्देश दिए।

बिरसा मुंडा की विचारधारा पर आधारित प्रचार रथ रवाना, विधायक टेकाम बोले- हर आदिवासी तक पहुंचे सरकार की योजनाएं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कुसमी विकासखंड के ग्राम टमसार में गुरुवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर गांव के विद्यालय परिसर में एक विशाल जनसभा और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम थे, जबकि जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और बलिदान को याद किया। कार्यक्रम स्थल पर बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई।

विधायक टेकाम ने अपने संबोधन में कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में अंग्रेजों के खिलाफ जो संघर्ष किया, वह देश के हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आदिवासियों की उन्नति और सम्मान के लिए लगातार कार्य कर रही है। विधायक ने उपस्थित लोगों से अपील की कि यदि कोई पात्र व्यक्ति किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं पा रहा है, तो वह सीधे उनसे या जनपद पंचायत अथवा जिला पंचायत के किसी भी अधिकारी से संपर्क करे, ताकि उसे उसका हक मिल सके। इस मौके पर एक 'प्रचार रथ' को भी रवाना किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में जाकर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनकी विचारधारा और उनके योगदान के बारे में लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य एवं गीतों के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की झलक भी देखने को मिली।

समग्र उपायों की अनदेखी, वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सत

संपादकीय

उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार सभी कारणों के निवारण वाले उपायों पर ध्यान दे और सरकारों को इसके लिए बाध्य करे कि वे संबंधित एजेंसियों को जवाबदेह बनाएं। उन्हें न केवल यह सुनिश्चित करना होगा कि सड़कों एवं निर्माण स्थलों से धूल न उड़ने पाए, बल्कि यह भी कि यातायात सुगम बना रहे, ताकि वाहन रेंगने के लिए बाध्य न हों।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर पंजाब और हरियाणा से पराली जलाने को लेकर की गई कार्रवाई संबंधी जो रिपोर्ट मांगी, उससे कुछ हासिल होने की उम्मीद कम ही है। इसलिए कम है, क्योंकि एक तो इन दोनों राज्यों में पराली करीब-करीब जलाई जा चुकी है और दूसरे वायु प्रदूषण का एक मात्र कारण पराली दहन नहीं है। विभिन्न अध्ययन यह रेखांकित कर चुके हैं कि वायु प्रदूषण के कारणों में पराली दहन के अतिरिक्त वाहनों का उत्सर्जन और सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल है।

निःसंदेह पराली दहन को रोका ही जाना चाहिए, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि ट्रैफिक जाम के कारण वाहनों से अतिरिक्त विषाक्त उत्सर्जन न हो सके और सड़कों एवं निर्माण स्थलों से धूल के गुबार न उड़ने पाएं। वायु प्रदूषण में वाहन उत्सर्जन और धूल का योगदान पराली से भी अधिक है। बरसात में तो सड़कों एवं निर्माण स्थलों से धूल उड़नी कम हो जाती है, लेकिन वाहन उत्सर्जन बढ़ाने वाला ट्रैफिक जाम वर्ष भर की समस्या है।

इसी कारण उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में सर्दियों के अलावा भी वायु की गुणवत्ता का स्तर खराब बना रहता है। समस्या यह है कि हवा की गुणवत्ता में तनिक सुधार आते ही प्रदूषण रोधी एजेंसियों के साथ सरकारों और सुप्रीम कोर्ट के लिए वायु प्रदूषण कोई समस्या नहीं रह जाता। इसी रवैये के कारण दशकों बाद भी वायु प्रदूषण से छुटकारा नहीं मिल रहा है।

कम से कम सुप्रीम कोर्ट को तो यह समझना होगा कि वायु प्रदूषण से मुक्ति तब मिलेगी, जब उससे निपटने के उपाय वर्ष भर किए जाएंगे और प्रदूषण बढ़ाने वाले सभी कारणों के निवारण पर जोर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट को दिल्ली-एनसीआर के साथ शेष देश के पर्यावरण की भी चिंता करनी होगी। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हवा तब भी जहरीली होती रहती है, जब पराली जलना बंद हो जाती है? यह रवैया ठीक नहीं कि सर्दियों के आगमन पर पराली जलने की चिंता की जाए और दीवाली पर पटाखों के इस्तेमाल की। इस रवैये में सुधार के साथ यह भी समझा जाना चाहिए कि जब प्रदूषण गंभीर रूप ले लेता है, तब उससे निपटने के लिए किए जाने वाले फौरी उपाय अपर्याप्त ही सिद्ध होते हैं।

कहां तक बहेगी ऐसे ज्ञान की अविरल धारा

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 9 नवंबर 2025 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित फ़ॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में 25वें राज्य स्थापना दिवस के मुख्य समारोह को सम्बोधित किया। ग़ौर तलब है कि उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर हुआ था। इस समारोह में पीएम मोदी ने भारतीय ज्ञान परंपरा को राज्य की आध्यात्मिक धरोहर से जोड़कर युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के मक़सद से इस आयोजन में भाग लेने हेतु प्रदेश के अनेक शिक्षण संस्थानों के छात्रों को लाने की व्यवस्था की गयी थी। प्रधानमंत्री ने यहाँ अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान किया कि वे प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ें। निश्चित रूप से योग व आयुर्वेद जैसी प्राचीन भारतीय ज्ञान सम्बन्धी कई बातें ऐसी हैं जिन पर देश को गर्व है। परन्तु वास्तविक प्राचीन भारतीय ज्ञान की आड़ में पौराणिक कथाओं से प्राप्त ज्ञान को आज के वैज्ञानिक युग में ज्ञान बताते हुये छात्रों को भ्रमित करना,यह कहाँ तक उचित है ? प्रधानमंत्री सहित देश के कई ज़िम्मेदार लोगों द्वारा समय समय पर देश के भविष्य के कर्णधार छात्रों व युवाओं को सम्बोधित करते हुये ऐसी अनेक बातें की जा चुकी हैं जिनका न केवल मज़ाक़ उड़ाया गया बल्कि एक बड़े वैज्ञानिक व शिक्षित वर्ग द्वारा इसका खंडन भी किया गया।

याद कीजिये अक्टूबर 2014 में जब रन फ़ॉर यूनिटी कार्यक्रम के संदर्भ में मुंबई के एक अस्पताल में चिकित्सकों और पेशेवरों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भगवान गणेश के सिर पर हाथी का सिर लगाना प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी का प्रमाण है। हमारे देश ने चिकित्सा विज्ञान में जो हासिल किया था, उस पर गर्व महसूस कर सकते हैं। हम गणेश जी को पूजते हैं, जिनके सिर पर हाथी का सिर लगाया गया था। यह प्लास्टिक सर्जरी की शुरुआत थी। मोदी के इस बयान की न केवल विपक्षी दलों द्वारा बल्कि वैज्ञानिकों द्वारा भी तीखी आलोचना की गयी थी। इस आलोचना का कारण यह था कि मोदी का कथन पूर्णतः अवैज्ञानिक व तर्कहीन था क्योंकि गणेश हिंदू पौराणिक कथा के चरित्र हैं यह कोई ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं। जबकि प्लास्टिक सर्जरी का आधुनिक विकास 19वीं सदी में जोसेफ़ कार्प्यू जैसे ब्रिटिश डॉक्टरों द्वारा किया गया था। परन्तु हाथी के सिर का मानव शरीर पर प्रत्यारोपण जैसा कोई पुरातात्विक या चिकित्सकीय प्रमाण क़तई नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास मिथक को इतिहास बनाने का प्रयास है, जोकि सरासर विज्ञान-विरोधी है।

इसी तरह मोदी ने ऐसी ही ज्ञान गंगा बहाने वाली एक पुस्तक की प्रशंसा करते हुए पुस्तक प्रस्तावना में लिखा कि प्राचीन भारत में टेस्ट-ट्यूब बेबी, स्टेम सेल तकनीक, हवाई जहाज़ और न्यूक्लियर तकनीक आदि मौजूद थी जोकि प्राचीन ज्ञान का प्रमाण थी। इन बातों को भी दुनिया के एक बड़े शिक्षित व वैज्ञानिक वर्ग ने ख़ारिज किया क्योंकि यह भी अवैज्ञानिक व तर्कहीन दावे थे और यह सभी दावे वेदों और महाभारत की कथाओं व उनकी व्याख्या पर आधारित हैं। इन दावों का भी कोई भौतिक साक्ष्य जैसे अवशेष या यंत्र आदि उपलब्ध नहीं है। सच्चाई यह है कि आधुनिक आईवीएफ1978 में विकसित हुआ जबकि हवाई जहाज़ का आविष्कार 1903 में हुआ। प्रधानमंत्री इस तरह की अनेक बातें कर चुके हैं जोकि पूरी तरह से अवैज्ञानिक व तर्कहीन है तथा इतिहास में उनके कोई प्रमाण भी नहीं मिलते। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फ़रवरी 2019 को भारतीय वायु सेना द्वारा बालाकोट एयर स्ट्राइक के संदर्भ में दिए गये अपने एक साक्षात्कार में यह दावा करते हैं कि उन्होंने सलाह दी कि ख़राब मौसम और बादलों का फ़ायदा उठाते हुए भारतीय विमानों को पाकिस्तानी रडार से बचाया जा सकता है, क्योंकि बादल हैं तो रडार से बच सकते हैं। बालाकोट हमले की रणनीति पर चर्चा के दौरान आये मोदी के इस ज्ञान का भी काफ़ी मज़ाक़ उड़ाया गया था और विशेषज्ञों ने इसे तकनीकी रूप से ग़लत बताया, क्योंकि सामान्यतः रडार बादलों से प्रभावित नहीं होते। इसी तरह वे बायोगैस के महत्व को समझाने के लिए किसी चाय वाले की कहानी गढ़कर बताने लगते हैं कि एक छोटे शहर में नाले के पास चाय बेचने वाले व्यक्ति ने नाले से निकलने वाली मीथेन गैस का उपयोग चाय बनाने के लिए किस तरह किया।

> वैश्विक स्तरपर भारत में बैंकिंग क्षेत्र हमेशा से आर्थिक नीति और सामाजिक न्याय का केंद्र रहा है। 1969 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 14 प्रमुख बैंकों के राष्ट्रीयकरण के साथ जिस नए युग की शुरुआत हुई, उसका उद्देश्य केवल पूंजी का पुनर्वितरण नहीं था बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को वित्तीय समावेशन में लाना था बैंक शाखाओं का ग्रामीण विस्तार,प्राथमिक क्षेत्र को ऋण प्रवाह,और आम नागरिक की आर्थिक पहुँच को सुनिश्चित करना,ये सब उस नीति का सार था।

या वास्तव में बैंक निजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है

वित्त मंत्री के बयानों से उत्पन्न हलचल

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

परंतु अब, जब भारत की अर्थव्यवस्था वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और प्रतिस्पर्धा की नई लहर में प्रवेश कर चुकी है,तो सवाल उठता है,क्या राष्ट्रीयकृत बैंक अपनी सामाजिक भूमिका के साथ-साथ आर्थिक दक्षता भी निभा पा रहे हैं इसी संदर्भ में हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान ने न केवल नीति निर्माताओं,बल्कि बैंक यूनियनों,उद्योग जगत और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय विश्लेषकों में भी हलचल पैदा कर दी है।केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल ही में कहा कि जिस उद्देश्य से बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था, वह अभी पूरी तरह पूरा नहीं हुआ है। यह कथन अपने आप में दोहरे अर्थों से भरा है।मैंएडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि एक तरफ यह स्वीकारोक्ति है कि राष्ट्रीयकरण की मूल भावना, ग्रामीण ऋण पहुंच, सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता,अब भी अधूरी है।वहीं दूसरी ओर, यह भी संकेत देता है कि सरकार इसअधूरेपनको पूरा करने के लिए नई नीतिगत दिशा में सोच रही है।बयान के तुरंत बाद मीडिया और बैंकिंग हलकों में सवाल उठा,क्या इसका अर्थ यह है कि सरकार अब निजीकरण की प्रक्रिया को धीमा कर रही है या यह केवल रणनीतिक 'रीपोज़िशनिंग' है, जिसमें सरकार अपने कदमों को अधिक राजनीतिक और सामाजिक स्वीकार्यता दिलाने का प्रयास कर रही है

साथियों बात अगर हम 4 नवंबर 2025, क़ो दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स हीरक जयंती व्याख्यान में वित्तमंत्री का आर्थिक दृष्टिकोण को समझने की करें तो, दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में आयोजित हीरक जयंती समापन व्याख्यान (4 नवंबर 2025) में वित्तमंत्री ने जिस स्पष्टता से निजी बैंकों के प्रदर्शन की सराहना की,वह संदेश सीधा था,सरकार निजी क्षेत्र की कार्यक्षमता को स्वीकार कर रही है। उन्होंने कहा कि निजी बैंक बेहतर ढंग से कार्य कर रहे हैं और उनकी गवर्नेंस, कर्ज प्रबंधनऔर टेक्नोलॉजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर सरकारी बैंकों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी है।इस वक्तव्य को विशेषज्ञों ने एक सॉफ्ट सिग्नल के रूप में देखा है,यह संकेत कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भी उसी दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना में लाना चाहती है, जो निजी क्षेत्र में दिखाई देती है। हालांकि वित्त मंत्री ने यह भी जोड़ा कि राष्ट्रीयकरण का मकसद अभी पूरा नहीं हुआ, जो यह बताता है कि सरकार सामाजिक दायित्वों को नज़र अंदाज़ नहीं कर रही।फिर भी, यह स्पष्ट था कि सरकार अब बैंकिंग क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों के अंतिम चरण में प्रवेश करने जा रही है और इनमें निजीकरण एक महत्वपूर्ण घटक हो सकता है।

साथियों बात अगर हम एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलनमें वित्त मंत्री क़े दूसरे संकेत को समझने की करें तो,12 वें 'एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलन 2025' में वित्त मंत्री ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विकास के अगले दशक में बैंकों को उद्योगों, स्टार्टअप्स और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को अधिक ऋण देना होगा, ताकि भारत वैश्विक निवेश केंद्र बन सके।यह बयान सिर्फ आर्थिक प्रोत्साहन का आग्रह नहीं था, बल्कि यह एक नीतिगत संकेत भी था,सरकार बैंकिंग प्रणाली को प्रतिस्पर्धी और नवाचार आधारित बनाना चाहती है। निजी क्षेत्र की बैंकिंग प्रणाली पहले से ही इस दिशा में अग्रणी मानी जाती है,फिनटेक, डिजिटल पेमेंट्स,माइक्रो-लेंडिंग और ग्राहक अनुभव के क्षेत्र में। ऐसे में वित्तमंत्री के शब्दों में निजीकरण का समर्थन झलकनास्वाभाविक था।विश्लेषकों का मानना है कि यह भारत सरकार का मिश्रित मॉडल की ओर झुकाव दर्शाता है–जहां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सामाजिक जिम्मेदारी निभाते रहें, और निजी बैंक आर्थिक गतिशीलता को आगे बढ़ाएँ।

साथियों बात अगर हम इस बात को समझने की करें कि क्या वास्तव में निजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई हैयहाँ सवाल का मूल यही है। क्या सरकार ने बैंक निजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है या यह केवल संकेतों की राजनीति हैवास्तविक स्थिति यह है कि 2021 में वित्त मंत्री ने बजट भाषण में दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी, जिसे वित्तीय क्षेत्र सुधार का हिस्सा बताया गया था। हालांकि तब से अब तक इस दिशा में कोई औपचारिक अधिसूचना या बिक्री प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। नीति आयोग ने जिन दो बैंकों का चयन किया था उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए, पर चर्चा में बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नाम रहे।2023- 24 में सरकार ने इन बैंकों के प्रदर्शन को सुधारने पर अधिक ध्यान दिया,नॉन परफॉर्मेंगएसेट्स कम करने और पूंजी निवेश बढ़ाने की कोशिश की। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार पहले बैंकों की बैलेंस शीट मजबूत करना चाहती है ताकिनिजीकरण से पहले उन्हें बाजार में बेहतर मूल्यांकन मिल सके।वित्त मंत्री के हालिया बयान कि राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य अभी अधूरा हैको इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि सरकार पीछे हटी है, बल्कि यह कि सरकार निजीकरण को धीरे और रणनीतिक तरीके से लागू करना चाहती है, ताकि न तोराजनीतिक विरोध बढ़े और न ही वित्तीय अस्थिरता उत्पन्न हो।अर्थात, निजीकरण की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुई है, पर उसकी तैयारी और माहौल निर्माण स्पष्ट रूप से जारी है।

साथियों बात अगर हम बैंक यूनियनों की प्रतिक्रियान्तरफदारी वाले बयान से असहजता को समझने की करें तो वित्तमंत्री के इन बयानों ने जहां उद्योग जगत और निजी क्षेत्र में उत्साह बढ़ाया, वहीं बैंक कर्मचारियों और यूनियनों में चिंता की लहर दौड़ गई। ऑल इंडिया बैंक इम्प्लॉइज एसोसिएशन, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस जैसी संस्थाओं ने बयान कोनिजीकरण समर्थक झुकाव बताया।उनका तर्क है कि निजी बैंकों में लाभ प्राथमिक उद्देश्य होता है,जबकि सरकारी बैंकों की भूमिका समाजिक जिम्मेदारी निभाना है, गांवों में शाखाएँ खोलना, गरीबों को सस्ती दर पर ऋण देना, और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना। यूनियनों का कहना है कि अगर सरकार निजीकरण की ओर बढ़ती है तो ये सामाजिक लक्ष्य पीछे छूट सकते हैं।इसके अलावा कर्मचारी वर्ग को नौकरी की सुरक्षा, पेंशन, और ट्रांसफर नीतियों को लेकर भी आशंकाएँ हैं। यूनियनों ने 2024 में इस विषय पर देशव्यापी हड़ताल की चेतावनी दी थी, जिसके बाद सरकार ने निजीकरण पर बयानबाजी को सीमित रखा था।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण~ क्या निजीकरण हमेशा लाभदायक रहा है को समझने की करें तो,वित्तीय सुधारों का वैश्विक अनुभव बताता है कि बैंकिंग क्षेत्र में निजीकरण का प्रभाव मिश्रित रहा है।ब्रिटेन में 1980 के दशक में बैंकिंग निजीकरण से कार्यकुशलता तो बढ़ी, परंतु ग्रामीण और निम्न-आय वर्ग तक बैंकिंग सेवाओं की पहुँच सीमित हो गई।रूस और लैटिन अमेरिकी देशों में निजीकरण के बाद वित्तीय संकट और सामाजिक असमानता बढ़ी।वहीं सिंगापुर और दक्षिण कोरिया नेहाइब्रिड मॉडल अपनाया,जिसमें सार्वजनिक और निजी बैंक दोनों को समान नीति-आधारित स्वायत्तता दी गई और ये देश वित्तीय स्थिरता के उदाहरण बने।भारत इस समय इन अनुभवों के बीच संतुलन खोज रहा है। पूरी तरह निजीकरण करने से पहले उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि वित्तीय समावेशन, रोजगार सुरक्षा और सामाजिक न्याय पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वित्त मंत्री के हालिया बयानों को अगर शब्दशः देखा जाए तो यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकार ने निजीकरण से पीछे हटने की घोषणा नहीं की, बल्कि नीति को नए ढंग से प्रस्तुत करने की रणनीति अपनाई है।बैंकिंग क्षेत्र में सुधार अब केवल स्वामित्व परिवर्तन का विषय नहीं रहा, बल्कि यह प्रदर्शन, पारदर्शिता प्रौद्योगिकी और उत्तरदायित्व का समग्र कार्यक्रम बन चुका है। सरकार चाहती है कि जब निजीकरण की औपचारिक घोषणा हो, तब तक बैंकों की वित्तीय स्थिति इतनी मजबूत हो कि कोई भी बिक्री बचाव का उपाय नहीं बल्कि नीतिगत सुधार प्रतीत हो।इसलिए यह कहना उचित होगा किबैंक निजीकरण की प्रक्रिया अभी औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुई है, लेकिन उसके संकेत, दिशा और नीतिगत तैयारी स्पष्ट रूप से प्रगति पर हैं।

साजिश :जिंदगी बचाने वाले डॉटर कैसे बने आतंक के सौदागर?

लालकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाने वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दी की साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेडिक्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है?

मनोज कुमार अग्रवाल

पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आतंकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आतंकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इसके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़े जमा चुके है। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है। दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह विस्फोट इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आतंकियों ने ही अपने नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है।

संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। इसलिए यह मानना तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आतंकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था। देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक व्हाइट कलर आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे। रिपोर्ट बताती ताती हैं कि अनंतनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एके-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यहीं से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अब जिन्हें हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया उसे भी एक डॉक्टर उम्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं। इस से पता चल रहा है कि कैसे ईमानदार पेशेवर आड़ लेकर संवेदनशील स्थानों और सामाजिक विश्वास के ऊपर से भी आतंकी गतिविधियों को संचालित किया जा सकता है। इससे पहले गुजरात से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। आतंकियों ने हमले की तैयारी के लिए अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की रेकी की थी और आतंकी घटनाओं से इन्हें दहलाने की साजिश भी रची थी। आतंकियों के मुताबिक अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों का नक्शा तैयार किया गया था।

वहीं लखनऊ में आरएसएस के कार्यालय को भी निशाना बनाने के मंसूबे थे। दिल्ली में आतंकियों की नजरें आजादपुर मंडी इलाके पर थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकी राइसिन नामक जहर बना रहे थे जिससे हजारों लोगों को जान से मारने की तैयारी थी। पुलिस पूछताछ में एक अहम खुलासा यह भी हुआ था कि आतंकवादी आजाद शेख एक हफ्ते तक जम्मू-कश्मीर में रहा था, जहां पर उसने कुछ संवेदनशील इलाकों की जानकारियां भी जुटाई थीं। आतंकियों ने हर जगह पर मौसम, शहरी बनावट और ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी जुटाई थी। सभी आतंकी पाकिस्तान से संपर्क में थे और अपने आकाओं के इशारों पर काम कर रहे थे। पाकिस्तानी आकाओं के इशारों पर ही आतंकियों ने भारत में बड़े नरसंहार की योजना रची थी। वह लोगों को राइसिन नाम का जहर देकर मारने की प्लानिंग कर रहे थे। आतंकी अहमद सैयद कई दिनों से राइसीन पॉइजन इकट्ठा कर रहा था, ताकि मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। निःसंदेह यह दौर बहुआयामी चुनौतियों का है। एक ओर केंद्र तथा राज्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी समन्वय का जो नमूना हमें इन छापों से दिखा, वह सराहनीय है, सही सूचना-इंटेलिजेंस के भरोसे तेजी से छापे हुए गए और संभावित बड़े हादसों को रोका गया। दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि हमारी जांच-विधान, संस्थागत निगरानी और पंजीकरण तंत्र में ऐसे षड्यंत्रों को पकड़ने-समेत रोकने के लिए और सुधार की जरूरत है। आज जिस तरह से आतंकवाद का चेहरा परिवर्तित हो रहा है, निःसंदेह वह भयभीत करने वाला है। लेकिन इससे कल होशियार होना भी आसान है, क्योंकि जब हमें पता चल गया है कि डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, छात्र संघ, कहीं-कहीं सामान्य दिखने वाला व्यक्ति भी हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, तो हमें सिर्फ चिन्ता नहीं करनी, बल्कि सटीक कार्रवाई करनी होगी। आतंक को मात देने का समय अब है। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना, बल्कि आगे बढ़ना है, सामूहिक रूप से, सतर्क रूप से, अडिग रूप से। मगर इतना तय है कि लाल किले के पास धमाका कोई साधारण घटना नहीं है, यह एक तरह से देश पर हमला है। यह हम सबको यह याद दिलाता है कि आतंक का जाल अब हमारी गलियों, विश्वविद्यालयों, डिजिटल चैट ग्रुपों और वित्तीय तंत्रों में घुस चुका है।

अब यह युद्ध सिर्फ सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि नागरिक समाज, तकनीकी संस्थानों, शिक्षकों, और नीति निर्माताओं सहित हम सबका है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना होगा जहां सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास, शिक्षा, न्याय और एकता से सुनिश्चित की जाए। आतंकवाद को हराने का अर्थ सिर्फ आतंकियों को मारना नहीं, बल्कि उस मानसिकता को खत्म करना है जो उन्हें जन्म देती है। इसके लिए सबसे पहले खुफिया एजेंसियों को देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ना होगा और यह काम सभी केंद्र और राज्य एजेंसियों को मिलकर करना होगा। यह काम आम नागरिकों के सहयोग के लिए बिना संभव नहीं है। देश के राजनीतिक पार्टियों को भी चाहिए कि इस विषय पर राजनीति नहीं करते हुए सरकार का साथ दें। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं हो। हकिकत यह है कि भारत का हर नागरिक, सुरक्षा संस्था और राज्य प्रशासन मिलकर इस खतरे को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इसके स्रोत, नेटवर्क, लॉजिक और सहयोगियों तक पहुंच नहीं पाते। हमें एक रणनीति के साथ काम करना होगा, जहां आतंक सिर्फ दवाया नहीं जाए, बल्कि जड़ से उखाड़ दिया जाए।

दवा विक्रेताओं की बैठक, बिना डॉक्टर की पर्ची नशीली दवा नहीं बेचने के निर्देश दिए गए; एसडीएम भी रहे मौजूद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में नशीले इंजेक्शन और टैबलेट की बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से दवा विक्रेताओं की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से एसडीएम लिंगराज सिदार, एसडीओपी एलेक्सियूस टोप्पो, डॉक्टर वासिक अशदक, झगराखांड थाना प्रभारी आरएन गुप्ता, विवेक पाटले और औषधि निरीक्षक आलोक मिंज सहित पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान दवा विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे बिना डॉक्टर की वैध पर्ची के किसी भी आम नागरिक को किसी भी प्रकार की नशीली दवाएं न बेचें। साथ ही ऐसे व्यक्तियों की जानकारी प्रशासन को देने को कहा गया जो नशे के लिए इन दवाओं का उपयोग करते हैं। प्रशासन ने आश्वस्त किया कि ऐसी जानकारी देने वाले दुकानदारों का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

'सूखा नशा' पर रोक लगाने का उद्देश्य: एसडीएम लिंगराज सिदार ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में बढ़ते 'सूखा नशा' पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ युवा सूखा नशा कर रहे हैं। प्रशासन नशीले इंजेक्शन और टैबलेट की बिक्री की पूरी श्रृंखला को तोड़ना चाहता है। यह अभियान राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन और औषधि विभाग की ओर से संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

बिना पर्ची के ही दवाएं बेच रहे मेडिकल संचालक: बैठक में मौजूद मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर वासिक अशदक ने कहा कि कई मेडिकल संचालक बिना डॉक्टर की पर्ची के ही दवाएं बेच रहे हैं। ठीक न होने पर स्टेरॉयड और एंटीबायोटिक दवाएं भी दे दी जाती हैं, जिससे भविष्य में मरीजों पर किसी भी दवा का असर होना बंद हो सकता है। उन्होंने जोर दिया कि बिना डॉक्टर की पर्ची के इस प्रकार की दवाएं देना एक अपराध है।

जंगल में साल बोरर का प्रकोप, पेड़ सूखे पर्यावरण संतुलन पर खतरा, जल्द समाधान निकालने की जरूरत: विधायक

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर(निप्र)। अमरकंटक में साल बोरर कीट के प्रकोप से प्रभावित वृक्षों का जायजा लेने पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को पहुंचे। उन्होंने मौके पर कई पेड़ों को कीट की चपेट में आकर सूखते हुए पाया, जिस पर उन्होंने चिंता व्यक्त की।

विधायक मार्को ने बताया कि उन्हें मीडिया और स्थानीय लोगों के माध्यम से साल बोरर कीट के प्रकोप की जानकारी मिली थी। वन पर्यावरण से जुड़ा यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्होंने स्वयं स्थिति का आकलन करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अमरकंटक में पेड़ों की स्थिति काफी चिंताजनक है। विधायक ने वन विभाग और प्रशासन से इस संबंध में तत्काल आवश्यक कदम उठाने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

अमरकंटक के जंगल में साल बोरर से हजारों साल वृक्ष सूखे,पर्यावरणविदों ने जताई चिंता: अनूपपुर जिले में स्थित नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक के वनीय क्षेत्र में साल बोरर कीट का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। इस कारण हजारों साल के वृक्ष सूखकर गिर रहे हैं, जिससे पर्यावरण संतुलन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। यह घटना पहले भी हो चुकी है, जो चिंता का विषय है।

मुख्यमंत्री ने किसानों के खातों में भेजे 233 करोड़ रुपए, रामलाल रौतेल बोले- किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। भावांतर योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार अन्नदाता किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 1.33 लाख किसानों के खातों में 233 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की।

रामलाल रौतेल ने जिला मुख्यालय अनूपपुर की कृषि उपज मंडी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसान हित में भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों की मेहनत का सही मूल्य सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामलाल रौतेल ने बताया कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रतानुसार लाभ उठाएं। इस अवसर पर कृषक नेता श्याम नारायण शुक्ला ने शासकीय योजनाओं की जानकारी दी और खेती-किसानी के अपने अनुभव साझा करते हुए उन्नत कृषि तकनीक से आर्थिक लाभ के बारे में बताया।

मजिस्ट्रेट के घर गुल्लक से 20 हजार की चोरी, ऊनी टोपी से हुई चोर की पहचान; अनूपपुर में 4 आरोपी गिरफ्तार, सामान बरामद

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। पुलिस ने स्वामी विवेकानंद स्मार्ट सिटी में हुई दो घरों में चोरी की घटनाओं का खुलासा कर दिया है। इनमें एक न्यायिक मजिस्ट्रेट का घर भी शामिल था। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और चोरी का सामान, ताला तोड़ने में इस्तेमाल औजार और एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

घटना 11 नवंबर को सामने आई, जब अमर महरा (24) ने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विनोद वर्मा के किराए के मकान नंबर 138 का ताला टूटा देखा। मजिस्ट्रेट वर्मा, जो मध्य प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के सचिव भी हैं, उस समय दिल्ली गए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। इसी तरह, स्मार्ट सिटी में ही प्रशांत रात्रे (36) के मकान नंबर 167 में भी रात के समय ताला तोड़कर चोरी की गई थी।

मजिस्ट्रेट के घर बच्चों के गुल्लक से 20,000 नकद चोरी: न्यायिक मजिस्ट्रेट के घर से एक हाथ घड़ी और बच्चों के गुल्लक से 20,000 रुपए नकद चोरी हुए थे। घटनास्थल मकान नंबर 138 की तलाशी के दौरान पुलिस को पीछे की बाउंड्री वॉल के पास जमीन पर 4,500 रुपए नकद, एक ऊनी टोपी और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले।

जांच-पड़ताल के बाद, पुलिस ने इन दो चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें छपराटोला लखनपुर निवासी सोनू सिंह वादी (22), ग्राम लखनपुर निवासी विमलेश नायक (20), ग्राम लखनपुर निवासी मदन नायक (40) और ग्राम जमुड़ी निवासी गुलाब नायक (35) शामिल हैं।

आरोपियों के पास से चोरी का सामान, नकद रुपए, वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड, कटर और आने-जाने के लिए प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लिया है और उनसे अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

एमसीबी की सामान्य सभा की बैठक 18 नवम्बर को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की सामान्य सभा की बैठक 18 नवम्बर को समय दोपहर 12:00 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत संसाधन केंद्र भवन अमृतधारा, ग्राम पंचायत लाई जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में आहूत की गई है। उन्होंने बैठक में सर्व संबंधितों को उपस्थित होने का आग्रह किया है।

सूने घर में चोरी, परिवार अंतिम संस्कार में गया था; तभी चोरों ने वारदात को दिया अंजाम, लाखों के जेवर-बर्तन पार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के नागपुर में एक सूने घर में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने बीती रात सुरेश कश्यप के घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और कांस के बर्तन चुरा लिए। इस घटना से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। पीड़ित सुरेश कश्यप ने बताया कि उनकी मां के निधन के कारण परिवार के सभी सदस्य अंतिम संस्कार के लिए मनेन्द्रगढ़ गए हुए थे। अंतिम संस्कार के बाद वे वहीं रुक गए थे। जब वे सुबह नागपुर स्थित अपने घर लौटे, तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। कमरे के दरवाजे खुले थे और सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने तत्काल नागपुर पुलिस को इसकी सूचना दी।

पहले भी हो चुकी है चोरी की घटनाएं: नागपुर चौकी क्षेत्र में पहले भी चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इन मामलों में पुलिस को अभी तक चोरों को पकड़ने में सफलता नहीं मिली है। इसी बीच, यह ताजा चोरी की वारदात सामने आई है। नागपुर चौकी प्रभारी शेषनारायण सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरेश कश्यप के सूने घर में चोरी हुई है। शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल खड़गवां में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, खड़गवां में बाल दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'हर बालिका राष्ट्र की पूंजी' रही, जिसके माध्यम से छात्राओं को अपने विचारों, सपनों और दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उनके व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना तथा समाज में उनके योगदान के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ बालिका सशक्तिकरण, शिक्षा और समानता पर प्रभावशाली भाषण दिए। उनके विचारों में उज्जवल भविष्य और सशक्त भारत की झलक स्पष्ट दिखाई दी। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य प्रमोद पांडेय, शिक्षिकाएं और छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। मिशन शक्ति, महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी नीता पांडेय, वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर अमीषा कुशवाहा की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

वनांचल के दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचा स्वास्थ्य विभाग, बड़गांवखुर्द में विशेष अभियान से बढ़ी जागरूकता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के वनांचल एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। विकासखण्ड भरतपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बड़गांवखुर्द और उसके आश्रित ग्रामों में 12 नवम्बर 2025 को एक दिवसीय विशेष स्वास्थ्य अभियान संचालित किया गया। यह अभियान कलेक्टर डी. राहुल वेंकट निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. रमन, खंड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान कोटाडोल सेक्टर के सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने ग्रामों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य सर्वे किया, बीमार व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक दवाओं का वितरण किया, गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा बच्चों का नियमित टीकाकरण भी संपन्न कराया। आमतौर पर ऐसा पहलें किसी क्षेत्र में बीमारी फैलने के बाद की जाती हैं, परंतु इस बार स्वास्थ्य विभाग ने बीमारी फैलने से पहले ही पहल करते हुए पहुँच विहीन और कठिन इलाकों में लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण से प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल के लिए प्रशासन का आभार जताया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बताया कि ऐसी गतिविधियाँ समय-समय पर आयोजित होने से ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

यह प्रयास माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं माननीया विधायक रेणुका सिंह की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति संवेदनशीलता और जनहितकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

भरतपुर विकासखण्ड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे नियमित अभियान उन क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं, जहाँ स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँचना कठिन है, ताकि किसी भी संभावित बीमारी के फैलाव को पहले ही रोका जा सके और ग्रामीणों को प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो।

नवीन तालाब बना गांव की जीवनधारा, राधारमण नगर के ग्रामीणों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत सोनवर्षा के ग्राम राधारमणनगर के ग्रामीणों के लिए नया तालाब किसी वरदान से कम नहीं है। कभी जहां गर्मियों में बूंद-बूंद पानी के लिए लोगों को मीलों पैदल चलना पड़ता था, वहीं आज यह तालाब ग्रामीणों की प्यास बुझाने के साथ-साथ खेती और आजीविका का आधार बन चुका है। यह परिवर्तन संभव हुआ है महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत कराए गए नवीन तालाब निर्माण कार्य से, जिसकी लागत 12.80 लाख रुपए रही।

जल संकट से जूझते गांव में जल जीवन का नया अध्याय: राधारमणनगर गांव लंबे समय से पानी की गंभीर समस्या से गुजर रहा था। यहां का भूमिगत जल स्तर लगभग 450 फीट से नीचे चला गया था, जिससे हैंडपंप सूख जाते थे और गर्मियों में ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता था। ऐसे में ग्राम पंचायत सोनवर्षा द्वारा खदान के पास जल संरक्षण और संचयन के उद्देश्य से नया तालाब बनवाया गया। यह तालाब अब वर्षा जल को सुरक्षित रखता है और साल भर ग्रामीणों के उपयोग के लिए जल उपलब्ध कराता है।

तकनीकी दृष्टि से मजबूत निर्माण - हर बूंद का संरक्षण: तालाब निर्माण के दौरान तकनीकी पहलुओं का विशेष ध्यान रखा गया। इसके बांध की चौड़ाई और ऊंचाई को इस तरह मापा गया कि वर्षा का पानी सुरक्षित रूप से जमा रहे और बांध को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

शा.उ.मा.वि. देवाडांड में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत कहानी एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अंतर्गत आज शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवाडांड खड़गवां में बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर बालिकाओं की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और उत्साह से सराबोर रहा।

बालिकाओं ने दिखाया अपने सपनों का उज्ज्वल भविष्य: कार्यक्रम की थीम 'हर बालिका राष्ट्र की पूंजी' रही, वहीं कहानी लेखन प्रतियोगिता का विषय 'मेरे सपनों का भविष्य' रखा गया। इस प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अपने मन के विचारों, सपनों और आकांक्षाओं को प्रभावशाली शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया। उनकी कहानियों में जहां आत्मनिर्भरता की झलक थी, वहीं एक सशक्त भारत के निर्माण का भाव भी स्पष्ट दिखाई दिया।

आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति को देना नई दिशा: इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के आत्मविश्वास को सशक्त बनाना, उनकी सोच को दिशा देना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने अपनी रचनाओं से साबित किया कि यदि अवसर मिले, तो हर बालिका समाज और राष्ट्र दोनों के लिए परिवर्तन की धारा बन सकती है।

प्रशासनिक नेतृत्व और मार्गदर्शन: कार्यक्रम का आयोजन जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में किया गया। पूरे कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया।

विशेष अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति: इस अवसर पर मिशन शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग से वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर अमीषा कुशवाहा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण से अंजनी यादव ने भी अपने मार्गदर्शन और सहयोग से आयोजन को प्रभावशाली बनाया।

श्रेष्ठ कहानियों का हुआ चयन - बालिकाओं का आत्मविश्वास सराहा गया: प्रतियोगिता में शामिल बालिकाओं ने जिस उत्साह से अपनी कहानियां प्रस्तुत की, वह सराहनीय रहा। निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ कहानियों का चयन किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी बालिकाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसे आयोजन बालिकाओं को न केवल आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश भी फैलाते हैं।

1.04 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त, एक स्मैक तस्कर गिरफ्तार; रामनगर पुलिस कर रही पूछताछ

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। रामनगर पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से स्मैक (ब्राउन शुगर) बेचने की तैयारी में है। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना रामनगर पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.04 ग्राम स्मैक (ब्राउन शुगर) बरामद हुई। यह कार्रवाई देर रात की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान चंचल गुप्ता उर्फ सनी उर्फ चार्ली (28 वर्ष) के रूप में हुई है, जो गौरी गुप्ता का पुत्र और गोपाल पंडाल, राजनगर, थाना रामनगर का निवासी है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना रामनगर में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह मादक पदार्थ कहां से लाया था और किसे बेचने वाला था।

रतलाम रेलवे स्टेशन के 100 साल, 100 बैलून एक साथ छोड़ेंगे; आरपीएफ करेगी बाइक परेड

रतलाम, एजेंसी। रतलाम रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे होने पर रतलाम रेल मंडल शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसके तहत 14 नवंबर को स्टेशन महोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान स्टेशन परिसर में कई कार्यक्रम होंगे, जिसमें एक साथ 100 बैलून छोड़े जाएंगे और आरपीएफ बाइक परेड का प्रदर्शन करेगी। इसके अलावा शताब्दी वर्ष वॉल का अनावरण भी किया जाएगा। रतलाम रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) अश्वनी कुमार ने बताया कि दिल्ली-मुंबई मुख्य रेलमार्ग के मुख्य बिंदू स्थित पश्चिम रेलवे का रतलाम रेलवे स्टेशन पर रेल संपर्क का इतिहास लगभग 150 वर्षों से अधिक पुराना है। जबकि पुरातन स्टेशन भवन लगभग 100 वर्ष पुराना है। शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर रतलाम मंडल पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

फोटो प्रदर्शनी और हेरिटेज आर्टिफैक्ट देखेंगे लोग : 14 नवंबर को समारोह की शुरुआत एक साथ 100 बैलून छोड़ने के साथ होगी। ऐतिहासिक फोटो प्रदर्शनी एवं हेरिटेज आर्टिफैक्ट प्रदर्शनी का शुभारंभ किया जाएगा। स्टेशन परिसर में शताब्दी वर्ष वॉल का अनावरण एवं हिलियम बैलून रेजिंग का आयोजन होगा। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा बाइक परेड का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें सिविल डिफेंस, स्काउट गाइड और स्कूली बच्चों की परेड भी शामिल होगी।

आदिवासी लोक नृत्य और मैगजीन विमोचन : समारोह में आदिवासी लोक नृत्य का मंचन विशेष आकर्षण रहेगा। इस अवसर पर ड्राइंग एवं क्विज प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। शताब्दी वर्ष गार्ड का उद्घाटन, विशेष डाक कवर (पोस्टल कवर) का विमोचन तथा रतलाम स्टेशन मैगजिन का रिलीज भी समारोह का हिस्सा होगा।

इंडो-सारसेनिक शैली में बना है भवन : डीआरएम ने बताया कि रतलाम रेलवे स्टेशन का वर्तमान भवन लगभग सौ वर्ष पुराना है। इंडो-सारसेनिक स्थापत्य शैली में निर्मित यह दो-मंजिला भव्य इमारत अपने कलात्मक झरोखों, मेहराबी बरामदों और स्थापत्य की सुंदरता के लिए विख्यात है।

होलकर और सिंधिया स्टेट का योगदान : रतलाम रेल मंडल की बात करें तो यह होलकर, सिंधिया और राजपुताना-मालवा रेल से लेकर आज के पश्चिम रेलवे तक यह विकास, विरासत और प्रगति की एक अनोखी कहानी है। होलकर स्टेट रेलवे की स्थापना वर्ष 1870 से 1876 के बीच महाराजा तुकोजीराव होलकर द्वितीय की दूरदर्शी पहल पर खंडवा से इंदौर के मध्य की गई थी। इसके बाद महाराजा सिंधिया द्वारा 1871 से 1880 के बीच इंदौर-नीमच मीटर गेज रेल लाइन का निर्माण कराया गया। जिसे सिंधिया-नीमच रेलवे के नाम से जाना गया।

1874 में शुरू हुई थी पहली मीटर गेज लाइन

वर्ष 1881 में नीमच–नसीराबाद लाइन के पूर्ण होने के साथ यह क्षेत्र रेल संपर्क से और अधिक सशक्त हुआ। वर्ष 1881–82 के दौरान होलकर रेलवे, सिंधियाङ्कनीमच रेलवे और राजपुताना रेलवे का एकीकरण कर राजपुताना–मालवा रेलवे का गठन किया गया। रतलाम में पहली मीटर गेज रेल लाइन 1874 में प्रारंभ हुई, जबकि लगभग दो दशक बाद वर्ष 1893 में ब्रॉड गेज रेल लाइन का शुभारंभ हुआ।

मुंबई-दिल्ली मुय मार्ग का हिस्सा

ब्रॉड गेज लाइन मुंबई (तत्कालीन बंबई)–दिल्ली मुख्य मार्ग का एक प्रमुख हिस्सा थी। रतलाम मंडल की पहली ब्रॉड गेज लाइन गोधरा से लिमखेड़ा के बीच 1893 में प्रारंभ हुई, जबकि रतलाम–नागदा–उज्जैन खंड पर ब्रॉड गेज लाइन 1896 में खुली। 1885 से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक इन रेल व्यवस्थाओं का संचालन बॉम्बे, बड़ौदा एवं सेंट्रल इंडिया रेलवे (B.B. × C.I.) के अधीन रहा, जिसके बाद इसका प्रबंधन भारत सरकार द्वारा संभाला गया।

खंडवा में बाइक की टक्कर से किसान की मौत:खेत से पैदल घर लौट रहा था, पीछे से मारी टक्कर; तीन बच्चों का पिता था

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले के पंधाना क्षेत्र के ग्राम निहालवाड़ी में बुधवार देर रात एक सड़क हादसे में 48 वर्षीय किसान की मौत हो गई। किसान अपने खेत से पैदल घर लौट रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार भी घायल हो गया है, जिसका इलाज जारी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि निहालवाड़ी निवासी लक्ष्मीनारायण पिता हीरालाल पटेल (48) बुधवार रात को अपने खेत से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक बाइक सवार आया और उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में लक्ष्मीनारायण की मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी भी उसी गांव का, बेहोश हो गया था : टक्कर मारने वाला आरोपी बाइक सवार भी निहालवाड़ी गांव का ही रहने वाला है। एक्सीडेंट के बाद वह भी घटनास्थल पर गिरकर बेहोश हो गया था। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेटे-बेटियों के सिर से उठा पिता का साया : मृतक लक्ष्मीनारायण के परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। उनकी मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। ग्रामीण और परिजन शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

संगमेश्वर मुक्तिधाम पर हुआ अंतिम संस्कार : गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। गांव के संगमेश्वर मुक्तिधाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सीहोर में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री पर पहुंचा:दिन और रात के तापमान में दोगुने से ज्यादा का अंतर, अगले दिनों में ठंड और बढ़ेगी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में ठंड तेजी से बढ़ने लगी है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिन और रात के तापमान में दोगुने से ज्यादा का अंतर देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दिनों से जिले में कभी बारिश तो कभी हल्की गर्मी का असर था, लेकिन अब मौसम ने यू-टर्न ले लिया है। न्यूनतम तापमान में आई गिरावट से लोगों को सुबह और रात के समय कड़ाके की ठंड का एहसास होने लगा है।

मौसम वैज्ञानिक बोले- आसमान साफ, ठंड और बढ़ेगी : शासकीय कृषि महाविद्यालय के मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आसमान से बादल धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं। इसके चलते आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एक हफ्ते में 10 डिग्री गिरा न्यूनतम तापमान : 4 नवंबर को न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री था, जो 5 नवंबर को 18.5, 6 नवंबर को 15.5, 7 नवंबर को 10.5, 8 नवंबर को 10, 9 नवंबर को 8.5, 10 नवंबर को 8.7, 11 नवंबर को 8.5, 12 नवंबर को 8 और 13 नवंबर को भी 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार गिरते तापमान के चलते लोगों ने अब सुबह-शाम रजाइयों और गर्म कपड़ों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। बच्चों और बुजुर्गों को ठंड से बचाव की सलाह दी गई है।

इंदौर हाईवे पर कंटेनर की टक्कर से किशोर की मौत:16 साल के लड़के के सिर पर से गुजरा पहिया, दो बाल-बाल बचे

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में बुधवार दोपहर इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ। सामने से आ रहे कंटेनर ने बाइक सवार तीन किशोरों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे 16 वर्षीय आशुतोष पिता सोहनलाल, निवासी शिव कॉलोनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य किशोर बाल-बाल बच गए। कंटेनर की टक्कर इतनी तेज थी कि उसका अगला पहिया आशुतोष के सिर पर चढ़ गया। पीछे बैठे आयुष जायसवाल (नारायण नगर) और हर्षित शिंदे (तुलसी मॉल के सामने) को चोट नहीं आई, लेकिन वे हादसे के बाद सदमे में थे और कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थे।

पिकनिक से लौटते समय हुआ हादसा : जानकारी के अनुसार, तीनों किशोर बुरहानपुर से ठाठर बलड़ी खामला पिकनिक स्पॉट घूमने गए थे। दोपहर करीब 12¬30 बजे लौटते समय निंबोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास कंटेनर ने बाइक को टक्कर मार दी।

पुलिस ने कंटेनर जब्त कर जांच शुरू की : निंबोला थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और कंटेनर (ऋ्र 09 त्नष्ट 1049) को जब्त कर लिया। प्रधान आरक्षक गगन वाणे के अनुसार, कंटेनर बुरहानपुर से इंदौर की ओर जा रहा था।स्थानीय लोगों ने बताया कि इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर झिरी तक सड़क पर गड्ढे हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं।

नीलगाय सामने आने से टमाटर से भरा ट्रक पलटा:मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा, ड्राइवर को चोट

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर के सीतामऊ थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर एक टमाटर से भरा ट्रक नीलगाय के सामने आने से पलट गया। यह हादसा गांव लादुना के पास हुआ। ट्रक महाराष्ट्र से हरियाणा जा रहा था। चालक सुरेश पिता धारू सिंह राठौर सुरक्षित है। जानकारी के मुताबिक, ट्रक क्रमांक ॥ऋ39-त्न-3274 टमाटरों से भरा था। सीतामऊ थाना क्षेत्र के गांव लादुना से गुजरते समय अचानक सड़क पर एक नीलगाय आ गई। चालक ने नीलगाय को बचाने के प्रयास में वाहन मोड़ा, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

सड़क पर बिखरा टमाटर : हादसे के बाद ट्रक में लदे सैकड़ों किलो टमाटर सड़क पर बिखर गए। आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और बिखरे टमाटरों को समेटने में मदद की। इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। चालक सुरेश को मामूली चोटें आई हैं, जबकि वाहन को क्षति पहुंची है।

नीलगाय का खतरा बना रहता है : स्थानीय लोगों का कहना है कि 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर नीलगाय और अन्य पशुओं के आने से अक्सर हादसों का खतरा बना रहता है।

8 साल की बच्ची से रेप, आरोपी गिरफ्तार; मां-पिता की शिकायत पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। 8 साल की नाबालिग बालिका से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी ओम प्रकाश तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना मंगलवार को हुई थी, जिसकी जानकारी बुधवार को प्रकाश में आई।

गेंहू का बीज लेने गई थी पीड़िता: पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे उन्होंने अपनी बेटी को गांव के ओम प्रकाश तिवारी के घर गेहूं का बीज लेने भेजा था। बेटी दो घंटे बाद बीज लेकर घर लौट आई थी। अगले दिन, बुधवार को जब मां ने खुद ओम प्रकाश के घर खाद लेने जाने की बात कही, तो बेटी रोने लगी। पूछने पर बेटी ने बताया कि मंगलवार को जब वह ओम प्रकाश के घर गेहूं का बीज लेने गई थी, तो ओम प्रकाश उसे अकेले कमरे में ले गया और उसके साथ रेप किया। डर के कारण पीड़िता ने घटना के दिन कुछ नहीं बताया था।

मां-पिता की शिकायत पर केस दर्ज: इसके बाद मां ने अपने पति को फोन पर पूरी घटना की जानकारी दी। पति-पत्नी अपनी आठ वर्षीय बेटी के साथ मऊगंज थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। मऊगंज थाना प्रभारी संदीप भारती ने एफआईआर दर्ज की और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पीड़िता के बयान के आधार पर तत्काल दो टीमें गठित कर आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है।

एसपी बोले-आरोपी गिरफ्तार, मामले की कर रहे हैं जांच: पुलिस अधीक्षक मऊगंज दिलीप सोनी ने बताया कि मऊगंज थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ गलत काम की सूचना मिली थी।

सिवनी मालवा में तीन सड़क हादसों में तीन की मौत, दो बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने कुचला; पैदल जा रहे युवक की मौके पर ही मौत

सिवनी मालवा, एजेंसी। सिवनी मालवा तहसील क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए तीन अलग-अलग सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई। सभी घटनाओं में अज्ञात वाहनों द्वारा टक्कर मारने की बात सामने आई है। पुलिस ने तीनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पहला हादसा सिवनी मालवा की उपनगरी बानापुरा में हुआ। अरबेजपुरा ग्राम खेड़ी निवासी अमन बारेला (पिता ज्ञानसिंह बारेला) पैदल जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमन की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिवनी मालवा भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। दूसरा हादसा लोखरतलाई रोड बायपास पर हुआ। बैतूल जिले के निवासी अशोक उइके (35 वर्ष), जो वर्तमान में शहीद पटेल कॉलोनी, सिवनी मालवा में रहते थे, अपनी मोटरसाइकिल से सिवनी मालवा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अशोक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।तीसरा हादसा ग्राम खारदा के पास देर रात घटित हुआ। इस दुर्घटना में सुखदेव इवने पिता रामलाल इवने (21 वर्ष), निवासी ग्राम जोंदल की मौत हो गई। सुखदेव अपने मित्र के साथ बाइक से जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सुखदेव सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि वाहन चालक फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और वाहन की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। तीनों मृतकों के शवों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिवनी मालवा में शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम (पीएम) किया गया। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिए गए। इन तीनों घटनाओं से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

पुलिस ने जांच शुरू की : तीनों ही हादसों में वाहन चालकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालकों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाहों के आधार पर वाहनों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

नर्मदापुरम में बीच सड़क पर मारपीट का वीडियो : युवकों ने एक-दूसरे को लात-घूंसों से पीटा, 20 मिनट चला ड्रामा; लड़कियां करती रहीं बचाव

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम के ग्वालटोली स्थित किरण होटल के पास बीच सड़क पर कुछ युवकों के बीच जमकर मारपीट हो गई। बुधवार रात करीब 15-20 मिनट तक चले इस ड्रामे में युवकों ने एक-दूसरे को लात-घूंसों से पीटा। इस दौरान यातायात भी बाधित हुआ। विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी आरोपी भाग चुके थे। थाने में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

लड़कियां करती रहीं बीच-बचाव : वायरल वीडियो में दिख रहा है कि एक गुट के युवक दूसरे गुट के युवकों को थप्पड़, लात और घूंसे मार रहे हैं। इस दौरान वहां मौजूद दो लड़कियां उन युवकों को बचाने का प्रयास करती नजर आ रही हैं। युवक आपस में काफी गाली-गलौज भी कर रहे थे।

सड़क पर लगा जाम, लोग बनाते रहे वीडियो : बीच सड़क पर हो रही इस मारपीट के कारण यातायात भी बाधित हुआ। करीब 15-20 मिनट तक सड़क पर यह ड्रामा चलता रहा। अचानक हुई इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल बन गया। वहां मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो रहा है।

पुलिस के पहुंचने से पहले भागे : कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही झगड़ा करने वाले युवक वहां से भाग निकले। इस कारण विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। थाने में किसी भी पक्ष ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश तेज कर दी है। बताया गया है कि पुलिस ने घायल अंकित का वीडियोग्राफी के में नहीं था।

6 दिसंबर को मानस भवन में हिन्दू धर्म परिषद का शौर्य दिवस सम्मान समारोह

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजन एवं श्रीराम मंदिर कार सेवकों का होगा अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 06 दिसम्बर को हिन्दू धर्म परिषद के तत्वाधान में स्थानीय मानस भवन में शौर्य दिवस की 34वीं वर्षगांठ एवं 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं श्रीराम मंदिर निर्माण कार सेवकों का सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा। साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले गणमान्य नागरिकों को भी सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा।

हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, संयोजक सुमित माजवानी, एवं अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने हेतु काव्य, गीत, संगीत एवं नृत्य से सजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियाँ जोरों पर हैं।

विंध्य काव्य-साहित्य परिषद 'कलम परिवार', रिदम म्यूजिकल ग्रुप, एवं ब्रह्माकुमारी कला-संस्कृति प्रभाग रीवा के सदस्य इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता देंगे।

संयोजक सुमित माजवानी ने बताया कि 1992 में श्रीराम मंदिर निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले तत्कालीन नगर कार सेवा प्रभारी नारायण डिगवानी के नेतृत्व में अयोध्या जाने वाले कार सेवकों की सूची तैयार की जा रही है। इसके साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार संघ के अध्यक्ष अवनीश शर्मा से उनके सदस्यों एवं परिजनों की उपस्थिति हेतु आग्रह किया गया है।

नगर के नृत्य कलाकारों द्वारा देशभक्ति एवं श्रीराम प्रसंगों पर विशेष प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। आयोजकों ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

पहली बार आयोजित हो रहे इस समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, सांसद जनार्दन मिश्रा एवं विधायकगणों को आमंत्रित किया जाएगा।

राजगढ़ में हाईवे किनारे पेंटर का जला शव मिला : पास में थिनर की बोतल रखी थी, हत्या या आत्महत्या की जांच जारी

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र में बुधवार रात हाईवे-52 किनारे एक व्यक्ति की जली हुई लाश मिली। शव के पास थिनर की बोतल, लकड़ी और अलाव जैसी जलती आग मिली। पुलिस ने शव और साक्ष्यों के आधार पर हत्या या आत्महत्या की संभावना पर जांच शुरू कर दी है। राहगीर बनवारी ने धुंआ उठते देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर शव पूरी तरह जल चुका था, केवल चड्डी-बनियान और एक पैर में चप्पल बची थी। मौके से थिनर की बोतल, लकड़ी और जली हुई बाइक बरामद की गई। शव के पास खड़ी बाइक की जांच से कि मृतक की पहचान खुजनेर के राधेश्याम प्रजापति (45) के रूप में हुई। राधेश्याम पेशे से पेंटर था और प्रदेश के साथ गुजरात तक दीवारों पर पेंटिंग का काम करते थे। प्रारंभिक जांच में थिनर के इस्तेमाल से जलने का संकेत मिला है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या है या हत्या।

सीसीटीवी में आखिरी बार अकेले दिखा : भोजपुर पुलिस ने खुजनेर थाना से संपर्क कर शव की पहचान करवाई। मृतक के चचेरे भाई लक्ष्मी नारायण ने कहा कि वह बुधवार दोपहर 2 बजकर 24 मिनट पर बाइक लेकर निकला था। उसने किसी को कुछ नहीं बताया। गांव में लगे छ्व्रञ्जङ्क कैमरे में वह अकेले बाइक चलाते हुए दिखाई देता है। वह खुद को क्यों जलाएगा, न तो किसी से विवाद था और न ही कोई परेशानी। हमें आशंका है कि किसी ने उसे साजिश के तहत जलाया है। पुलिस ने शव और साक्ष्यों की जांच के लिए भोपाल से स्नरु टीम बुलाई। देर रात करीब 1 बजे शव को खिलचीपुर अस्पताल लाया गया, जहां गुरुवार सुबह दो डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमॉर्टम किया। मौके से जला हुआ मोबाइल, बाइक की चाबी और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

परिवार में दो बेटियां और एक बेटी: राधेश्याम की शादी 25 पहले पहले ब्यावरा तहसील के मानकी गांव निवासी ममता बाई से हुई थी। उनके दो बेटियां हेमलता (22), मनीषा (18) और एक बेटा ललित (15) हैं। परिवार अब इस हादसे के सदमे में है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। थिनर की बोतल, जलने के पैटर्न और मोबाइल डेटा की जांच के आधार पर पुलिस जल्द ही इस रहस्यमयी मौत की सच्चाई उजागर करने का दावा कर रही है।

बालाघाट के बाजार में युवक को चाकू मारा-भाई को मारने का आरोप लगाकर सीने और हाथ में किया वार

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट शहर में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से हमला किया गया। बुधवार देर रात नर्मदा नगर क्षेत्र में हुई इस वारदात में अंकित (20) पिता हरी प्रसाद घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, अंकित अपने दोस्त प्रेम सोरले के साथ बुधवार रात नर्मदा नगर स्थित गणेश होटल के सामने गुपचुप खा रहा था। इसी दौरान एक युवक वहां आया और अंकित पर अपने भाई को मारने का आरोप लगाते हुए जेब से चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया।

डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर किया : हमलावर ने अंकित के सीने और हाथ में कई वार किए। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोस्त ने बीच-बचाव कर घायल को तुरंत मोटरसाइकिल से शासकीय जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे गोंदिया के हायर सेंटर रेफर कर दिया।

डोपिंग के लिए भारतीय एथलीट कार्तिक कुमार पर लगा तीन साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलेटिक्स खिलाड़ी कार्तिक कुमार को डोपिंग उल्लंघन के मामले में तीन साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कई प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह सजा स्वीकार कर ली है। यह जानकारी यूएसएडीए (अमेरिकी एंटी-डोपिंग एजेंसी) ने गुरुवार को दी।

यूएसएडीए के अनुसार, एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एजेंसी ने 27 फरवरी को अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान कार्तिक कुमार का प्रतियोगिता से बाहर (आउट-ऑफ-कम्पटीशन) यूरिन सैंपल लिया था। इस सैंपल में मेटेंडाइनोन और स्टैनोजोलोल सहित कई प्रतिबंधित पदार्थों के मेटाबोलाइट्स पाए गए। इनमें शामिल हैं –

17ए-मेथिल-एसबी-एंड्रोस्टेन-3ए,17बी-डायोल,

17बी-मेथिल-एसबी-एंड्रोस्ट-1-ईन-3ए,17ए-डायोल (एपिमीटेंडियोल),

17बी-हाइड्रॉक्सिमेथिल-17ए-मेथिल-18-नॉर-एंड्रोस्ट-1,4,13-ट्रायन-3-वन (एलटीएम),

तथा 4-क्लोरो-3ए-हाइड्रॉक्सी-एंड्रोस्ट-4-एन-17-वन (क्लोस्टेबोल मेटाबोलाइट)।

यूएसएडीए ने इसके बाद 19 मार्च को एक और सैंपल लिया, जो फिर से मेटेंडाइनोन मेटाबोलाइट्स के लिए पॉजिटिव पाया गया। हालांकि, नियमों के अनुसार दोनों नमूनों को एक ही उल्लंघन माना गया क्योंकि पहले पॉजिटिव रिपोर्ट की जानकारी कार्तिक को दूसरे सैंपल से पहले नहीं दी गई थी।

डोपिंग उल्लंघन के लिए आमतौर पर चार साल का प्रतिबंध लगाया जाता है, लेकिन यदि खिलाड़ी सूचना मिलने के 20 दिनों के भीतर आरोप स्वीकार कर लेता है, तो सजा एक साल घटाई जा सकती है। कार्तिक कुमार ने यह प्रावधान अपनाया, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध मिला।

उनकी अयोग्यता की अवधि 10 अप्रैल से शुरू हुई है। इसके साथ ही 27 फरवरी के बाद के सभी नतीजे, पदक, अंक और पुरस्कार भी रद्द कर दिए गए हैं।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका : पंत के साथ कोलकाता टेस्ट खेलेंगे जुरेल, इस खिलाड़ी को बैठना पड़ सकता है बाहर

कोलकाता, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से पहले टेस्ट मैच की शुरुआत होने जा रही है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने पुष्टि की है कि ध्रुव जुरेल ईडन गार्डन्स में ॠषभ पंत के साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 125, 44 और नाबाद 6 रन बनाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पिछले हफ्ते बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत ए की ओर से खेलते हुए नाबाद 132 और नाबाद 127 रन की पारी खेली थी। टेन डोइशेट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, मुझे नहीं लगता कि आप उन्हें (ध्रुव जुरेल) इस टेस्ट से बाहर रख सकते हैं। जाहिर है कि आप सिर्फ 11 खिलाड़ी ही चुन सकते हैं। इसलिए किसी अन्य खिलाड़ी को बाहर बैठना होगा।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें संयोजन का अच्छा अंदाजा है। पिछले 6 महीनों में ध्रुव ने जिस तरह से प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए उनका इस हफ्ते खेलना तय है। उन्होंने बीते हफ्ते बेंगलुरु में दो शतक लगाए हैं। मुझे बहुत हैरानी होगी अगर आप इस हफ्ते ध्रुव और ॠषभ को मुकाबले में खेलते हुए न देखें। टेन डोइशेट ने बताया है कि जुरेल का खेलना तय है, ऐसे में बैटिंग ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी पहले मैच में नहीं खेल सकते हैं।

उन्होंने कहा, सबसे अहम बात मैच जीतने के लिए एक रणनीति बनाना है, और फिर अगर आप खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दे सकते हैं, तो यह जरूरी है। नितीश के मामले में हमारा रुख बिल्कुल नहीं बदला है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन मैं कहूंगा कि सीरीज की अहमियत और हमें जिन हालातों का सामना करना पड़ रहा है, उसे देखते हुए, वह इस हफ्ते होने वाले टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं।

एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप : भारत की कंपाउंड महिला और मिश्रित टीमों ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। ढाका में चल रही एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारत ने कंपाउंड वर्ग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

महिला कंपाउंड टीम के फाइनल में दीपशिखा, प्रिथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय तिकड़ी ने दक्षिण कोरिया को कड़े मुकाबले में 236-234 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में अभिषेक वर्मा, साहिल जाधव और प्रतमेश फुगे की भारतीय टीम को कजाखस्तान के खिलाफ 229-230 से मामूली अंतर से हार झेलनी पड़ी और रजत पदक हासिल हुआ। यह मुकाबला पूरी तरह से रोमांचक रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में कजाख खिलाड़ियों ने बढ़त बना ली।

मिश्रित टीम में भी स्वर्ण

मिश्रित टीम फाइनल में अभिषेक वर्मा और दीपशिखा की भारतीय जोड़ी ने बांग्लादेश के हिमु बाचार और बोन्ना आक्तर को 153-151 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ढाका में जारी इस प्रतियोगिता में भारत का यह प्रदर्शन एशियाई स्तर पर तीरंदाजी में उसकी मजबूत स्थिति को और भी पुख्ता करता है।

हार्दिक पंड्या सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे

एशिया कप में चोटिल हुए थे; अफ्रीका सीरीज से टीम इंडिया में वापसी संभव

मुंबई, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इस महीने के आखिर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की ओर से वापसी करेंगे। फिलहाल वे बेंगलुरु के क्चष्टष्ठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग कर रहे हैं और लगभग पूरी तरह फिट हैं। हालांकि उन्हें अभी क्चष्टष्ठ की ओर से फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, लेकिन उम्मीद है कि 26 नवंबर से पहले खेलने की मंजूरी मिल जाएगी।

यह टी-20 टूर्नामेंट 26 नवंबर से शुरू होगा। बड़ौदा की टीम हैदराबाद में बंगाल के खिलाफ 28 नवंबर को अपना पहला मुकाबला खेलेगी। फिटनेस क्लियरेंस (ऋञ्जक्र) मिलते ही हार्दिक सीधे हैदराबाद रवाना होंगे।

इस्लामाबाद धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के बावजूद श्रीलंका की टीम पाकिस्तान दौरे पर बनी रहेगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल दौरे को जारी रखने का निर्णय लिया है। कई खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बाद स्वदेश लौटने की इच्छा जताई थी।

मंगलवार को इस्लामाबाद की एक अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी में खेले जाने वाले वनडे मैच से कुछ घंटे पहले हुई थी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन और देश के गृहमंत्री मोहसिन नक़वी ने बुधवार को इस्लामाबाद में श्रीलंका के उच्चायुक्त से मुलाकात की और टीम को कड़ी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इस बैठक में श्रीलंका और पाकिस्तान टीम के मैनेजरों के साथ शीर्ष सुरक्षा अधिकारी भी मौजूद थे।

नक़वी ने मंगलवार दोपहर पिंडी क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया और सुरक्षा इंतज़ामों की समीक्षा की।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं को पीसीबी और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर पूरी तरह संबोधित किया जा रहा है ताकि दौरे पर मौजूद प्रत्येक सदस्य की सुरक्षा और कुशलता सुनिश्चित की जा सके।

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई खिलाड़ी या सपोर्ट स्टाफ सदस्य बोर्ड के निर्देशों के बावजूद स्वदेश लौटता है, तो उनके आचरण की औपचारिक समीक्षा की जाएगी और समीक्षा पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

एसएलसी ने यह भी कहा कि टीम के किसी सदस्य के लौटने की स्थिति में उसके स्थान पर तुरंत रिप्लेसमेंट भेजे जाएंगे ताकि दौरे में कोई व्यवधान न आए।

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी ने श्रीलंका बोर्ड के इस निर्णय की सराहना की। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, खेल भावना और एकजुटता की भावना उज्ज्वल रूप में झलक रही है।

उन्होंने बताया कि शेष दो वनडे मैच अब रावलपिंडी में शुक्रवार और रविवार को खेले जाएंगे। इसके बाद जिम्बाब्वे टीम श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ टी20 त्रिकोणीय सीरीज़ में शामिल होगी, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह से होगी। इस टूर्नामेंट के दो मुकाबले रावलपिंडी में और पाँच मुकाबले लाहौर में खेले जाएंगे।

जापान मास्टर्स : लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में, जिया हेंग जैसन टेह को सीधे गेम में हराया

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने गुरुवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान के पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने सिंगापुर के जिया हेंग जैसन टेह को सीधे गेमों में हराया।

2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और टूर्नामेंट के सातवें वरीय लक्ष्य ने विश्व नंबर 20 टेह को 21-13, 21-11 से सिर्फ 39 मिनट में पराजित किया। इस जीत के साथ विश्व नंबर 15 लक्ष्य सेन अब सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लो कीन यू का सामना क्वार्टरफाइनल में करेंगे। पहले गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से बढ़त बनाई और 8-5 से आगे रहे, हालांकि टेह ने 10-9 पर बढ़त हासिल की थी। लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक तक बढ़त बरकरार रखी और 14-13 के स्कोर के बाद लगातार सात अंक जीतते हुए पहला गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने और भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5-0 की बढ़त से शुरुआत की और ब्रेक तक 11-3 से आगे रहे। इसके बाद उन्होंने पूरी बढ़त बनाए रखी और मुकाबला आसानी से जीत लिया। दिन के बाद के मैच में एच. एस. प्रणय का सामना डेनमार्क के रासमस गेमके से होगा।

अजिंक्य नाईक दूसरी बार बने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के चुनाव में अजिंक्य नाईक पैनल ने शानदार जीत दर्ज की है। नाईक दूसरी बार लगातार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। उनकी पैनल ने कुल 16 पदों में से 12 पर कब्जा जमाया।

बुधवार रात परिणाम घोषित होने के बाद नाईक ने कहा, यह जीत हमारे मैदान क्लबों, सचिवों और हर क्रिकेटर – पुरुष और महिला – की है। यह पूरी मुंबई क्रिकेट फैमिली की जीत है।

अजिंक्य नाईक को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एमसीए, बीसीसीआई व आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार का समर्थन प्राप्त था।

उन्होंने कहा, माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी और शरद पवार जी के मजबूत सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी। मैं अशिष शेलार जी का भी विशेष आभार व्यक्त करता हूं।

नाईक का पैनल पवार-शेलार ग्रुप के नाम से चुनाव में उतरा था।

चुनाव में अन्य पदाधिकारी इस प्रकार हैं –

उन्मेष खनविलकर सचिव चुने गए (उन्होंने शाहालम शेख को हराया)

जीतेंद्र आव्हाड उपाध्यक्ष बने (उन्होंने नवीन शेट्टी को हराया)

नीलेश भोसले संयुक्त सचिव चुने गए (उन्होंने गौरव पय्याडे को मात दी)

अरमान मलिक कोषाध्यक्ष बने (उन्होंने सुरेंद्र शेवाले को पराजित किया)

इसके अलावा संदीप विचारे, सूरज सामत, विघ्नेश कदम, मिलिंद नारवणकर, भूषण पाटिल, नदीम मेमन, विकास रेपाले, प्रमोद यादव और नील सावंत एमसीए की एपेक्स काउंसिल के सदस्य चुने गए हैं।

रॉयल नॉर्वेजियन एंबेसी ने नॉर्वे कप विजेता मिनर्वा एकेडमी एफसी को सम्मानित किया

चंडीगढ़, एजेंसी। रॉयल नॉर्वेजियन एंबेसी ने एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें मिनर्वा एकेडमी एफसी को सम्मानित किया गया। मिनर्वा एकेडमी ने इस वर्ष जुलाई में ओस्लो में आयोजित प्रतिष्ठित नॉर्वे कप 2025 का खिताब जीता था। यह आयोजन टीम की उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाने के साथ-साथ भारत और नॉर्वे के बीच खेलों के माध्यम से बढ़ते सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों को रेखांकित करता है। कार्यक्रम की शुरुआत नॉर्वे के राजदूत के संबोधन से हुई, जिन्होंने कहा कि खेल दो देशों के बीच एक सेतु का काम कर सकते हैं और मजबूत संबंधों को बढ़ावा देते हैं।इसके बाद एक पैनल चर्चा हुई, जिसका संचालन रीना सुन्दर, डेट मॉडर्ने इंडिया की सह-संस्थापक और कार्यक्रम की सह-आयोजक, ने किया। इस चर्चा में रंजीत बजाज (संस्थापक, मिनर्वा एकेडमी एफसी), सुरिंदर सिंह (तकनीकी निदेशक) और टीम के तीन प्रमुख खिलाड़ी – चेतन तिवारी, कोंथौजम डेनोंमोनी और थोकचोम चिंगखैगनबा सिंह शामिल थे, जिन्होंने टूर्नामेंट के अपने अनुभव साझा किए। ऐतिहासिक जीत पर विचार व्यक्त करते हुए रंजीत बजाज ने कहा कि एक भारतीय ग्रासरूट क्लब को विश्व के सबसे बड़े युवा फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक में विजयी देखना अत्यंत गर्व और भावनाओं का क्षण था। वहीं, सुरिंदर सिंह ने टीम की तैयारी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि खिलाड़ियों ने किस तरह यूरोपीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और अनुशासन तथा सामरिक रणनीति से चुनौतियों को पार किया। युवा खिलाड़ियों ने भी अपने सफर की भावनात्मक यादें साझा कीं। डेनामोनी ने कहा कि उनका सपना है कि एक दिन वे भारत का प्रतिनिधित्व विश्व कप में करें।

चिंगखैगनबा ने बताया कि जीत के बाद जब उन्होंने अपनी मां को फोन किया, तो उनकी आवाज़ में गर्व और खुशी झलक रही थी। चेतन ने फिलिस्तीन के खिलाफ मैच को सबसे कठिन मुकाबला बताया और उनके जज़्बे की सराहना की। यह शाम भारतीय फुटबॉल के लिए गर्व का क्षण थी, जिसने न केवल मिनर्वा की अंतरराष्ट्रीय सफलता को उजागर किया, बल्कि भारत और नॉर्वे के बीच खेल कूटनीति को भी नई मजबूती दी।

मिनर्वा एकेडमी एफसी की नॉर्वे कप में जीत आने वाली पीढ़ी के भारतीय फुटबॉलरों के लिए प्रेरणा बन गई है – यह साबित करते हुए कि सही मंच मिलने पर देश के हर कोने की प्रतिभा वैश्विक मंच पर चमक सकती है। दूतावास के अधिकारियों, नॉर्वे के राजदूत और मिनर्वा के खिलाड़ियों के बीच मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच का भी आयोजन किया गया। यह हल्का-फुल्का खेल इस बात का प्रतीक था कि फुटबॉल किस तरह सीमाओं को पार करता है और साझा जुनून और टीम वर्क के ज़रिए अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाता है। हंसी-मज़ाक, खेल भावना और आपसी सम्मान ने इस मैच को यादगार बना दिया, जिससे यह आयोजन के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया। यह समारोह भारतीय फुटबॉल के लिए एक गौरवशाली क्षण था, जिसने न केवल अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिनर्वा की जीत को चिह्नित किया, बल्कि भारत और नॉर्वे के बीच खेल कूटनीति को भी मजबूत किया।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग में 12 साल बाद फिर से होगा खिलाड़ियों का ऑक्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में 12 साल बाद खिलाड़ियों की नीलामी प्रणाली वापस लौट रही है। बीपीएल गवर्निंग काउंसिल ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। टूर्नामेंट के पहले दो सीज़न (2012 और 2013) में खिलाड़ियों की नीलामी हुई थी, जिसके बाद अगले नौ संस्करणों में खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट प्रणाली के ज़रिए किया जाता रहा।

नीलामी 23 नवंबर को ढाका के एक होटल में आयोजित की जाएगी, जिसमें पांच फ्रेंचाइजी – ढाका कैपिटल्स, चट्टोग्राम रॉयल्स, राजशाही वॉरियर्स, रंगपुर राइडर्स और सिलहट टाइटन्स – हिस्सा लेंगी। ये टीमें बीपीएल के 12वें संस्करण के लिए अपने खिलाड़ी चुनेंगी।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, इस बार की नीलामी एक नए फ्रेंचाइजी स्वामित्व चक्र की शुरुआत करेगी। इसमें एक पुनर्गठित और पारदर्शी बोली प्रणाली लागू की जाएगी ताकि बीपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 फ्रेंचाइजी मानकों के अनुरूप हो सके। नई प्रणाली के तहत स्थानीय खिलाड़ियों को छह श्रेणियों और विदेशी खिलाड़ियों को पांच श्रेणियों में बांटा जाएगा। स्थानीय खिलाड़ियों की शीर्ष 'ए' श्रेणी का आधार मूल्य 50 लाख टका तय किया गया है, और हर बोली 5 लाख टका की वृद्धि में बढ़ेगी। विदेशी खिलाड़ियों की शीर्ष श्रेणी की शुरुआती कीमत 35,000 अमेरिकी डॉलर होगी, जिसमें हर बोली 5,000 डॉलर की वृद्धि में बढ़ेगी। हर फ्रेंचाइजी को नीलामी से पहले दो बांग्लादेशी खिलाड़ी (ए और बी श्रेणी से) और एक या दो विदेशी खिलाड़ी सीधे साइन करने की अनुमति होगी, लेकिन इसके लिए बीपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी जरूरी होगी। नीलामी दो चरणों में होगी – पहले स्थानीय खिलाड़ियों की, उसके बाद विदेशी खिलाड़ियों की। प्रत्येक टीम को कम से कम 11 स्थानीय खिलाड़ी खरीदने होंगे, जबकि अधिकतम 15 स्थानीय खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। सीधे साइन किए गए खिलाड़ी इस गणना में शामिल नहीं होंगे। स्थानीय खिलाड़ियों के लिए प्रत्येक टीम का बजट 4.5 करोड़ टका होगा (सीधे साइन किए खिलाड़ियों के भुगतान को छोड़कर)। विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम बजट 3.5 लाख अमेरिकी डॉलर तय किया गया है, जिसमें डायरेक्ट साइनिंग भी शामिल हैं। हर टीम दो से चार विदेशी खिलाड़ियों को अपने प्लेइंग ङ्गढ्ढ में शामिल कर सकेगी, लेकिन नीलामी से कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को खरीदना अनिवार्य होगा।

अनुशासित और समय के पाबंद होंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी

राज्यपाल कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अनुशासित और समय के पाबंद होगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। जीवन में यह पूर्णविराम नहीं है, अपनी यात्रा सभी को पूरी करनी है, गिरकर हार नही मानें, उठे और आगे बढ़े।

सीख लेकर योजना के साथ अपना भविष्य तय करें: राज्यपाल श्री डेका आज नवा रायपुर स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय के पंचम् दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर, वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 के विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक वितरित किए। इस अवसर पर 150 शोधार्थियों को पीएच.डी उपाधि, 1500 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधि एवं 2500 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर पौधा भी लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन की दूसरी पारी शुरू हो रही है। आगे का दिन उनका संघर्ष का होगा, अनेक बाधाएं आएंगी। बीते दिनों से सीख लेकर योजना के साथ अपना भविष्य तय करें। किसी भी क्षेत्र में काम करें, आनंद पूर्वक जीवन गुजारें। भौतिक उपलब्धि के साथ-साथ मानसिक शांति भी होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है। इसके लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच सतत् चर्चा होनी चाहिए। एन.ई.पी.के बारे में विद्यार्थियों को संपूर्ण जानकारी हो। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि शिक्षक और गुरू में अंतर होता है। गुरू शब्द का अर्थ विस्तृत है। आप गुरू बनिए शिक्षक नहीं, अपने अनुभव और ज्ञान से युवाओं का मार्गदर्शन करें। श्री डेका ने कहा कि विश्वविद्यालय में सकारात्मक वातावरण रखें। नवाचार पर बहुत कार्य हो रहे हैं। सरकार भी इसके लिए मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि मानव, पशु और प्रकृति के बीच में संतुलन रखना बहुत आवश्यक है। तभी हमारा अस्तित्व कायम रहेगा। हमें सतत् विकास के लिए सोचना है और एक पेड़ मां के नाम लगाना है। श्री डेका ने विद्यार्थियों से कहा कि आप देश के भविष्य हैं, आप के योगदान से भारत 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनेगा।

विद्यार्थी रचनात्मकता को बढ़ाएं और नवाचार में उपयोग करें: राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राष्ट्र के विकास में युवाओं की सबसे बड़ी भागीदारी होती है। विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता को बढ़ाएं और नवाचार के लिए इसका उपयोग करें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत निर्णय लिए गए हैं परिणामस्वरूप उन्हें नए अवसर उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर राज्य निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर वी.के .गोयल, कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष श्री राजीव कुमार, कुलाधिपति श्री संदीप अरोरा, कुलपति श्री आर. श्रीधर, उपकुलाधिपति श्री सज्जन सिंह, कुलसचिव तथा कलिंगा विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल के सदस्य, विभागाध्यक्ष, अध्यापकगण, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

दिव्यांग मनोज को मिला नया सहारा

संपर्क केंद्र की संवेदनशीलता से बदली जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलौदाबाजार जिला संपर्क केंद्र की संवेदनशील पहल से ग्राम तरेंगा निवासी मनोज आडिल को कृत्रिम अंग प्राप्त हुआ। लंबे समय से कृत्रिम अंग के अभाव में दैनिक कार्यों में कठिनाई झेल रहे आडिल ने अपनी समस्या संपर्क केंद्र के माध्यम से दर्ज कराई थी। संपर्क केंद्र द्वारा तत्काल समाज कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया गया। कृत्रिम अंग प्राप्त होने पर श्री आडिल ने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया है।

विद्युत खपत शून्य, बिजली बिल हुआ जीरो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विद्युत खपत को कम करने तथा ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुंगेली जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत नागरिक अपने घरों की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर सूरज की रोशनी से अपने घरों को रोशन कर रहे हैं। इससे न केवल बिजली बिल से मुक्ति मिल रही है, बल्कि आमजन ऊर्जा उत्पादक बनकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। यह पहल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर जिले में आम नागरिकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मुंगेली जिले के पृथ्वीग्रीन कॉलोनी, करही निवासी शिक्षक श्री तेजवंत बर्मन ने अपने आवास की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया है। इसके माध्यम से अब उनका घर सौर ऊर्जा से पूर्णतः रोशन हो रहा है और विद्युत खपत शून्य हो जाने से बिजली बिल भी जीरो हो गया है। श्री बर्मन ने बताया कि पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, परंतु अब सोलर सिस्टम लगने के बाद यह समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केंद्र एवं राज्य शासन की ओर से आकर्षक सब्सिडी दी जा रही है। उपभोक्ताओं को कम ब्याज दर पर बैंक लोन भी दे रहे हैं।

बीजापुर जिला अस्पताल में आपरेशन में जटिलता के मामले में तीन सदस्यीय जांच टीम गठित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला अस्पताल बीजापुर में हुए नेत्र आपरेशन के बाद जटिलता के मामले में आयुक्त सह संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। यह टीम नेत्र आपरेशन में आई जटिलता के कारणों की जांच एवं घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रकरण की जांच करेगी। इस टीम में राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ निधि अत्रिवाल, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर संभाग डॉ महेश साण्डिया तथा नेत्र सर्जन जिला चिकित्सालय जगदलपुर डॉ सरिता थॉमस शामिल हैं। यह जांच समिति तीन दिन में अपनी जांच रिपोर्ट को आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं के समक्ष प्रस्तुत करेगी। गौरतलब है कि बीजापुर जिला अस्पताल में नेत्र आपरेशन के बाद कुछ मरीजों के मामले में जटिलता देखने को मिली। मामले की जानकारी मिलते ही आयुक्त सह संचालक के निर्देश पर 9 मरीजों को रायपुर के डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराया गया एवं इलाज से संबंधित सभी आवश्यक उपकरण एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गयीं। मामले की जांच के लिए बनायी गयी तीन सदस्यीय समिति को निर्देश हैं कि वो शीघ्र ही बीजापुर जिला अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू करें।

महासमुंद जिले में कुल 452 कट्टा धान जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पूर्व अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं विक्रय पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज की गई अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 452 कट्टा धान जब्त किया गया। मंडी सचिव महासमुंद के नेतृत्व में गठित निरीक्षण टीम ने दो प्रतिष्ठानों से कुल 152 कट्टा धान जब्त किया। निरीक्षण के दौरान लाफिंग खुर्द स्थित श्री भारत भूषण साहू के प्रतिष्ठान में 50 कट्टा तथा ग्राम बम्हनी में श्री खिलावन यादव के प्रतिष्ठान से 102 कट्टा धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया। दोनों ही मामलों में प्रकरण तैयार कर संबंधित विभाग को अग्रिम कार्यवाही हेतु रिपोर्ट भेजी गई है। इसी प्रकार राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सरायपाली अंतर्गत केंदुवा-सागरपाली मेन रोड पर आकस्मिक निरीक्षण के दौरान एक पिकअप वाहन से 60 कट्टा (लगभग 24 क्विंटल) धान अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया, जिस पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त ग्राम बकमा स्थित शेखर ट्रेडर्स से 240 कट्टा अवैध धान जप्त कर मंडी के सुपुर्द किया गया। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण के मामले में जांच-पड़ताल का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

साकार हुआ 'पक्के घर' का सपना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित, पक्का और सम्मानजनक घर का सपना होता है। यह सपना विशेष रूप से गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए अकसर अधूरा रह जाता है। प्रधानमंत्री आवास योजना ने ऐसे ही अनगिनत परिवारों की तरह कबीरधाम जिले के ग्राम लालपुर कला निवासी श्री नारद साहू के जीवन में भी इस सपने को साकार कर दिया है। श्री नारद साहू सीमित आमदनी में खेती और मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण अपने परिवार के लिए पक्का घर बनाना उनके लिए असंभव था, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना उनके जीवन में उम्मीद की एक नई किरण बन गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की बदौलत वह परिवार के साथ नए पक्के घर में गृह प्रवेश किया। आज श्री नारद साहू का परिवार गर्व और संतोष से परिपूर्ण है। इस योजना ने उन्हें न केवल घर दिया, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान का भाव भी प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की रजत जयंती श्री नारद साहू के जीवन में अविस्मरणीय खुशी लेकर आई। यह अवसर न केवल प्रदेश बल्कि कबीरधाम जिले के लिए भी ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के रायपुर आगमन के साथ ही जिले में एक साथ 13 हजार से अधिक परिवारों ने अपने नए आशियानों में गृह प्रवेश किया। उसी शुभ अवसर पर श्री नारद साहू ने भी अपने सपनों के घर में प्रवेश किया।

सौर ऊर्जा जगमगाए श्रवण और सरफराज के सपनों के घर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने सौर ऊर्जा के माध्यम से देश के लाखों परिवारों के जीवन में नई रोशनी भर दी है। इस योजना के अंतर्गत नागरिक न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में यह योजना तीव्र गति से क्रियान्वित हो रही है। राज्य शासन के समन्वित प्रयासों से ग्रामीण और नगरीय दोनों क्षेत्रों में नागरिक सौर ऊर्जा का उपयोग कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। कोरबा जिले में अनेक परिवारों ने इस योजना से प्रेरणा लेकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। कोरबा जिले के पाली विकासखण्ड के ग्राम केराझरिया निवासी आर्किटेक्ट श्री श्रवण अजगल्ले ने अपने घर पर सोलर पैनल स्थापित कर बिजली बिल से मुक्ति पाई है। वे बताते हैं कि सौर ऊर्जा से अब घर की सभी जरूरतें पूरी हो रही हैं और हर महीने की बचत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

युक्तियुक्तकरण से बदली चचरेल स्कूल की तस्वीर

शिक्षा में आई नई चमक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विकासखंड बिलाईगढ़ के शासकीय प्राथमिक शाला चचरेल में युक्तियुक्तकरण नीति लागू होने के बाद विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। कभी एकमात्र प्रधान पाठक के भरोसे चलने वाला यह स्कूल अब तीन शिक्षकों की उपस्थिति से नई ऊर्जा से सराबोर है।

विद्यालय में वर्तमान में 35 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना से न केवल कक्षाओं का संचालन सुचारू हुआ है, बल्कि बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पहले शिक्षक की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित होती थी, जिससे अभिभावक भी बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने में रुचि नहीं दिखा रहे थे। अब विद्यालय में वातावरण उत्साहपूर्ण और अनुशासित हो गया है।

पालकों और ग्रामीणों ने जताया संतोष: ग्राम चचरेल के पालक नोहर सिंह ने बताया कि पहले एक ही शिक्षक होने से पढ़ाई बाधित होती थी, पर अब तीन शिक्षक होने से बच्चों का मन पढ़ाई में लगने लगा है। उन्होंने शासन की इस पहल को 'सकारात्मक और दूरदर्शी निर्णय' बताते हुए कहा कि अब वे निश्चिंत होकर बच्चों को विद्यालय भेज रहे हैं। वहीं ग्रामीण नरसिंह नाग ने कहा कि युक्तियुक्तकरण के बाद शिक्षण व्यवस्था में स्पष्ट सुधार हुआ है। शिक्षक समर्पण भाव से बच्चों को पढ़ा रहे हैं और ग्रामीण भी समय-समय पर विद्यालय जाकर प्रगति की निगरानी कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग की पहल बनी उम्मीद की किरण: युक्तियुक्तकरण की इस पहल से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे गांव में शिक्षा के प्रति विश्वास और जागरूकता बढ़ी है। अब चचरेल की प्राथमिक शाला बच्चों के उज्जवल भविष्य की नई मिसाल बन गई है।

महिला श्रमिकों की मुस्कान बनी मिनीमाता महतारी जतन योजना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। श्रमिक हमारे समाज की वह मजबूत नींव हैं, जिन पर विकास की इमारत खड़ी होती है। यही कारण हैं कि शासन द्वारा श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक हैं मिनीमाता महतारी जतन योजना, जिसने मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले की महिला श्रमिकों के जीवन में खुशियों के रंग भर दिए हैं।

अंबागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम ठाकुरबांधा निवासी श्रीमती ललिता चंद्रवंशी श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिक हैं। हाल ही में उन्हें इस योजना के तहत उन्हें 20 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई। यह सहायता राशि महिला श्रमिकों को मातृत्व अवधि के दौरान आर्थिक सहयोग और सुरक्षा देने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है। योजना अंतर्गत मंडल में कम से कम एक वर्ष से पंजीकृत महिला श्रमिक को बच्चे के जन्म के 90 दिनों के भीतर आवेदन करने पर यह लाभ प्राप्त होता है। ललिता चंद्रवंशी ने बताया कि इस राशि से उन्हें नवजात की देखभाल और आवश्यक खर्चों में काफी सहूलियत मिली है।

श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए पंचायत स्तर पर पंजीयन एवं नवीनीकरण का कार्य सतत् रूप से पंजीयन शिवरों के माध्यम से किए जा रहे हैं।

नवा रायपुर से चीन तक — छत्तीसगढ़ में खुला लॉजिस्टिक्स का वैश्विक द्वार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के तीव्र गति से विकसित होते लॉजिस्टिक्स सेक्टर में आज एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ है। छत्तीसगढ़ से अब तक का सबसे बड़ा, कुल 12,000 मीट्रिक टन कॉपर कॉन्सन्ट्रेट (Copper Concentrate) निर्यात कंसाइनमेंट, नवा रायपुर स्थित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (MMLP) से चीन के लिए रवाना किया गया। इस श्रृंखला की पहली खेप 2,200 मीट्रिक टन की रही, जो 11 नवम्बर को विशाखापट्टनम पोर्ट के लिए भेजी गई, जहाँ से इसे आगे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाएगा। उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विकसित यह अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, मध्य भारत के औद्योगिक और व्यापारिक विकास का नया द्वार बन रहा है। अत्याधुनिक कार्गो हैंडलिंग सिस्टम, रेल कनेक्टिविटी, और मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन से सुसज्जित यह सुविधा राज्य एवं देश के अन्य हिस्सों की औद्योगिक इकाइयों को वैश्विक बाजारों तक कुशल, सुरक्षित और तीव्र पहुँच प्रदान कर रही है।

यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ अब खनिज और उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था से लॉजिस्टिक्स और निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, कुशल कनेक्टिविटी और सक्रिय शासन के समन्वय ने छत्तीसगढ़ को मध्य भारत का लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बना दिया है। इस निर्यात अभियान के साथ छत्तीसगढ़ ने अपने खनिज और औद्योगिक उत्पादन को अंतरराष्ट्रीय व्यापार गलियारों से जोड़ने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाया है। यह कदम भारत के लॉजिस्टिक्स मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रासंगिकता को और सुदृढ़ करता है।

राज्य सरकार ने इस प्रगति को और तीव्र करने के लिए 'छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक्स नीति 2025' लागू की है। यह नीति वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लक्ष्य के साथ तैयार की गई है। नीति के अंतर्गत आधुनिक मल्टीमॉडल अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, निर्यात संवर्द्धन, और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज जैसी परियोजनाओं के लिए आकर्षक प्रोत्साहन भी प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे संतुलित क्षेत्रीय विकास और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 'नवा रायपुर मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क से राज्य के सबसे बड़े कॉपर कॉन्सन्ट्रेट निर्यात का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह कदम इस दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ को हम लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक शक्ति के रूप में विकसित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई राज्य लॉजिस्टिक्स नीति 2025 के माध्यम से सरकार कनेक्टिविटी बढ़ाने, निजी निवेश आकर्षित करने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि 'नीतिगत सुधार, रणनीतिक अवसंरचना और उद्योगों के आत्मविश्वास के इस समन्वय से छत्तीसगढ़ न केवल मध्य भारत को वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़ रहा है, बल्कि लॉजिस्टिक्स आधारित विकास के नए युग को भी परिभाषित कर रहा है। '

सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल एवं आपदा प्रबंधन' पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

10 से 12 नवंबर तक तीन दिवसीय पी.एच.ई.डी.एम.–पी.डी.पी. प्रशिक्षण का समापन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एन.सी.डी.सी.), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम.), गृह मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार तथा यू.एस. सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल एवं आपदा प्रबंधन - व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पी.एच.ई.डी.एम.-पी.डी.पी.) प्रशिक्षण (बैच-1)' का आयोजन 10 से 12 नवम्बर तक राजधानी रायपुर में किया गया।

सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री अमित कटारिया तथा आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में राज्य के विभिन्न विभागों के समन्वय से इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में एक सशक्त आपदा प्रबंधन टीम का गठन करना है। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. एस. के. पामभोई, संचालक (महामारी नियंत्रण), छत्तीसगढ़ ने की। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. शुभांगी कुलसंगे, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र; डॉ. खेमराज सोनवानी, उप-संचालक एवं राज्य निगरानी अधिकारी (IDSP); डॉ. स्मृति देवांगन, उप-संचालक, NPCCHH एवं डिजास्टर मैनेजमेंट, छत्तीसगढ़; तथा श्री विलियम अब्राम्स, उप निदेशक, डी.जी.एच.पी., सी.डी.सी.-भारत कार्यालय उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जिला स्तर पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है। 'मेंटर्स और मेंटीज' की अवधारणा पर आधारित प्रशिक्षण में तकनीकी सत्रों, प्रश्नोत्तरी, समूह गतिविधियों, केस स्टडी और सिमुलेशन अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव दिया गया।

प्रदेशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत का काम जोरों पर

मरम्मत के सभी काम दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बरसात की समाप्ति के बाद राज्यभर में राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत का काम जोरों पर है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने सभी सड़कों की मरम्मत का काम दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने आज राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रगतिरत मरम्मत, नई सड़कों और नवीन परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों से कहा कि बरसात के बाद अभी सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों को गति देने का अच्छा समय है। इसका सदुपयोग करते हुए कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाएं और उन्हें पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय–सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत के दौरान ठेकेदारों से एसटीएमसी (Short Term Maintenance Contract) के सभी कम्पोनेन्ट्स के काम कराने को कहा। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों की मरम्मत के काम प्रांरभ हो चुके हैं, वे रूकने नहीं चाहिए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा